सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 339 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 22 सितंबर 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

भूपेश-बैज और विजय शर्मा ने एक-दूसरे को दी खुली चुनौती

रायपुर। छत्तीसगढ़ की साय सरकार अपने 2 साल 9 महीने के कार्यकाल को पूरा कर चुकी है। राज्य में राजनीतिक पार्टियों ने चुनाव की तैयारी शुरू कर दी है। आरोप-प्रत्यारोप के बीच छत्तीसगढ़ में बहस की राजनीति का दौर शुरू हो गया है। शुरुआत प्रधानमंत्री आवास योजना को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के बीच सार्वजनिक बहस से हुई। इसके बाद भूपेश बघेल ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को कोल माइंस के मुद्दे पर चुनौती दी। वहीं विजय शर्मा ने बघेल को झीरम घाटी मामले पर बहस के लिए ललकारा। अब कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज और स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के बीच सरकारी अस्पतालों की व्यवस्था को लेकर डिबेट का नया चैलेंज सामने आया है।

तेलंगाना के रिम्स अस्पताल में आग, 2 नवजातों की मौत

अदिलाबाद। तेलंगाना के आदिलाबाद जिले के सरकारी RIMS अस्पताल की स्पेशल न्यूबॉर्न केयर यूनिट में सोमवार रात करीब 11:50 बजे आग लग गई। हादसे में दो नवजातों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य की हालत गंभीर है। अधिकारियों के मुताबिक, यूनिट में 27 नवजातों का इलाज चल रहा था। आग के बाद 25 बच्चों को अलग-अलग निजी अस्पतालों में शिफ्ट किया गया। शुरुआती जानकारी में शॉर्ट में खराबी के बाद विस्फोट की आशंका जताई गई है। हालांकि सही वजह जांच पूरी होने के बाद सामने आएगी।

8 महीने बाद खुली मां दंतेश्वरी मंदिर की 11 दान-पेटियां

दंतेवाड़ा। में स्थित मां दंतेश्वरी मंदिर की दान पेटियां 7 महीने 24 दिन बाद सोमवार को खोली गईं। शारदीय नवरात्र से पहले मंदिर की कुल 11 दान पेटियां खोली गईं। इनसे 21 लाख 62 हजार 331 रुपए नगद मिले। इसके अलावा सोने-चांदी के आभूषण और भक्तों के मन्नत के पत्र भी मिले हैं। दान पेटियों से मिले आभूषणों और अन्य सामग्री को भी सुरक्षित रखा गया है। भक्तों ने नौकरी, संतान प्राप्ति समेत अलग-अलग मन्नतों को लेकर मां दंतेश्वरी के नाम पत्र पेटियों में डाले थे। इन पत्रों को भी पेटियां खोलने के दौरान निकाला गया। हालांकि, भक्तों की प्राइवीसी का ध्यान रखते हुए पत्र किसके हैं ये नहीं बताया गया। मां दंतेश्वरी मंदिर की दान पेटियां इससे पहले 28 जनवरी 2026 को खोली गई थीं। उस समय पेटियों से 19 लाख 44 हजार 448 रुपए नगद मिले थे।

बिलासपुर के जूस सेंटर में लगी आग, सामान जलकर खाक

बिलासपुर। जिले के मुंगेली नाका स्थित स्विमिंग पूल कैंपस में संचालित अरोमा जूस सेंटर में सोमवार की रात अचानक आग लग गई। देखते ही देखते दुकान से ऊंची लपटें उठने लगीं। आग से जूस मशीन, डीप फ्रीजर, फर्नीचर समेत दुकान में रखा पूरा सामान जल गया। आसपास के लोगों ने फायर ब्रिगेड को सूचना दी। दमकल की गाड़ी ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। बताया जा रहा है कि शॉर्ट सर्किट के जूस सेंटर में आग लगी है। घटना सिविल लाइन थाना क्षेत्र की है।

एशियन गेम्स में भारत ने जीता स्वर्ण, फाइनल में श्रीलंका को हराया, स्मृति मंधाना चमकी

श्रीकंचनपथ न्यूज

नईदिल्ली। भारतीय विमेंस क्रिकेट टीम ने एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीत लिया है। टीम ने मंगलवार को फाइनल में श्रीलंका को 147 रन से हराया। भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 3 विकेट के नुकसान पर 216 रन बनाए। 217 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी श्रीलंकाई टीम 15.4 ओवर में 69 रन पर ऑलआउट हो गई।

निशिन के कोरेगी स्पोर्ट्स पार्क में मंगलवार को भारत ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग चुनी। भारत ने 20 ओवर में 3 विकेट पर 216 रन बनाए। स्मृति मंधाना ने 79, ऋचा घोष ने नाबाद 49 और शेफाली वर्मा ने 48 रन की पारी खेली। मंधाना और शेफाली के बीच पहले विकेट के लिए 99 रन की साझेदारी हुई। मंधाना के 45 गेंदों में 5 चौके और 7 छक्के शामिल रहे। इस पारी के दौरान उन्होंने विमेंस इंटरनेशनल क्रिकेट में 11 हजार रन भी पूरे किए।

श्रीलंका की खराब बल्लेबाजी

फाइनल मैच में कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 19 रन बनाए। इसके बाद ऋचा घोष ने आखिरी ओवरों में तूफानी बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 22 गेंदों में 49 रन ठोक दिए। शुरुआत में भारत ने संभलकर बल्लेबाजी की, लेकिन पारी के अंत में छक्कों की बारिश कर दी। श्रीलंका की ओर से सुगंधिका कुमारी, कविशा दिलहारी और चामुडी प्रभोदा ने एक-एक विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका खेल के हर क्षेत्र में भारत से पटखनी खाई।

स्कूल शिक्षा विभाग में व्याख्याता के 854 पदों पर होगी भर्ती, 29 नवम्बर को एग्जाम

हिन्दी, अंग्रेजी और संस्कृत में सर्वाधिक 120-120 पद, छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मंडल के जरिए होगी परीक्षा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के स्कूल शिक्षा विभाग में व्याख्याता के 854 पदों पर भर्ती की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा स्कूल शिक्षा विभाग के अंतर्गत 5 हजार शिक्षकीय पदों पर भर्ती की घोषणा के क्रम में विभाग द्वारा व्याख्याता पदों की भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया जा रहा है। इन पदों के लिए लिखित परीक्षा छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मंडल द्वारा आयोजित की जाएगी। मंडल ने भर्ती परीक्षा की संभावित तारीख 29 नवंबर निर्धारित की है। हालांकि अभ्यर्थी ऑनलाइन आवेदन कब से जमा कर सकेंगे, इसकी तिथि चयन मंडल बाद में अलग से जारी करेगा।

लोक शिक्षण संचालनालय छत्तीसगढ़

द्वारा जारी जानकारी के अनुसार व्याख्याता के कुल 854 पदों में ई-संवर्ग की शालाओं में 424 पद तथा टी-संवर्ग की शालाओं में 430 पद भरे जाएंगे। स्कूल शिक्षा विभाग ने व्याख्याता के 854 पदों को आठ अलग-अलग विषयों में विभाजित किया है। इनमें भाषा विषयों के लिए सबसे अधिक पद निर्धारित किए गए हैं। विभाग ने हिंदी, अंग्रेजी और संस्कृत विषय के लिए 120-120 पद रखे हैं। वहीं राजनीति शास्त्र, इतिहास, भूगोल और अर्थशास्त्र विषय में 100-100 पदों पर व्याख्याताओं की नियुक्ति की जाएगी। इसके अलावा भौतिकी विषय के लिए 94 पद निर्धारित किए गए हैं। इस तरह सभी आठ विषयों में कुल 854 रिक्त पदों पर योग्य अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा।

व्यापम की वेबसाइट पर विस्तृत जानकारी

भर्ती के लिए आवश्यक शैक्षणिक अर्हता, आयु सीमा व अन्य शर्तों की जानकारी भर्ती विज्ञापन में दी जाएगी। भर्ती परीक्षा का पाठ्यक्रम छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मंडल की वेबसाइट पर उपलब्ध कराया जाएगा। विस्तृत विज्ञापन व्यापम की वेबसाइट पर जारी किया जाएगा। व्याख्याता पदों के लिए लिखित भर्ती परीक्षा का आयोजन छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मंडल द्वारा किया जाएगा। भर्ती परीक्षा की संभावित तिथि 29 नवम्बर 2026 निर्धारित की गई है। आवेदन भरने की तिथि एवं अन्य आवश्यक जानकारी CGSSB द्वारा पृथक से जारी की जाएगी। भर्ती से जुड़ी शर्तों, पाठ्यक्रम, आवेदन तिथि और अन्य सूचनाओं के लिए अभ्यर्थियों को मंडल की वेबसाइट पर नजर बनाए रखने की सलाह दी है।

असम में भूपेश बघेल के काफिले पर पथराव, कार के शीशे टूटे

- **काले झंडे दिखाने के बाद भाजपा-कांग्रेस कार्यकर्ताओं में झड़प**

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री और असम कांग्रेस प्रभारी भूपेश बघेल के काफिले पर हमला हुआ है। बघेल सोमवार को नागांव लोकसभा उपचुनाव के प्रचार के लिए पहुंचे थे। आरोप है कि समागुड़ी के बरमा इलाके में भाजपा कार्यकर्ताओं ने काले झंडे दिखाए और गो बैक के नारे लगाए। इससे स्थिति बिगड़ गई।

भाजपा और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हो गई। इस दौरान कुछ लोगों ने भूपेश बघेल की गाड़ी पर पत्थरों और बोतलों से हमला कर दिया। बघेल के साथ असम कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई, धुबरी सांसद रकीबुल हुसैन और कांग्रेस प्रत्याशी सिबामोनी बोरा मौजूद थे।

घटना के बाद इलाके में तनाव की स्थिति बन गई। सूचना मिलते ही पुलिस और सुरक्षाबल मौके पर पहुंचे। स्थिति को नियंत्रित करने पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। पुलिस ने इस मामले में 2 संदिग्धों को हिरासत में लिया है। कांग्रेस की ओर से कहा गया है कि भूपेश बघेल और गौरव गोगोई पूरी तरह सुरक्षित हैं। पार्टी ने मांग की है कि घटना के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

खम्हरिया पीएम आवास में दुर्ग पुलिस की दबिश, आंबटियों की जगह मिले किराएदार

सीएसपी के नेतृत्व में सुबह 5 बजे शुरू हुआ सर्च अभियान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। अवैध गतिविधियों पर प्रभावी नकेल कसने और आपराधिक तत्वों की धरपकड़ के उद्देश्य से दुर्ग पुलिस ने आज तड़के भिलाई नगर निगम क्षेत्र के खम्हरिया स्थित प्रधानमंत्री आवास कॉलोनी में अचानक सरप्राइज चेकिंग अभियान चलाया। स्मृति नगर चौकी क्षेत्र अंतर्गत आने वाली बहुमंजिला कॉलोनी में पुलिस की अचानक हुई इस कार्रवाई से हड़कंप मच गया।

यह पूरी छापामार कार्रवाई सुबह ठीक 5 बजे भिलाई नगर सीएसपी निशांत पाठक के नेतृत्व में शुरू की गई। अभियान को व्यवस्थित ढंग से अंजाम देने के लिए पुलिस की 4 विशेष टीमों का गठन किया गया था, जिनमें तीन थाना प्रभारी, निरीक्षक स्तर के अधिकारी और बड़ी संख्या में आरक्षक शामिल थे। कार्रवाई के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए महिला पुलिस बल, एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट तथा ट्रैफिक पुलिस की संयुक्त तैनाती की गई थी।

कार्रवाई के दौरान ट्रैफिक पुलिस की टीम ने कॉलोनी परिसर में खड़े संदिग्ध दुपहिया एवं चारपहिया वाहनों के नंबरों और दस्तावेजों की बारीकी से जांच की। हालांकि पुलिस को इस चेकिंग के दौरान कोई सूचीबद्ध वारंटी तो नहीं मिला, परंतु कुछ संदिग्ध व्यक्ति पाए गए हैं।

पुलिस टीम फ्लिहाल इन सभी व्यक्तियों का चरित्र एवं पृष्ठभूमि सत्यापन करवा रही है।

पीएम आवास में किराएदार रखने का खुलासा

छापेमारी के दौरान एक मुख्य बात यह सामने आई कि कई प्रधानमंत्री आवासों में मूल आवंटियों की जगह किराएदार निवास कर रहे थे। शासकीय नियमानुसार प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवंटित मकानों को किसी अन्य व्यक्ति को किराए पर देना या बेचना पूरी तरह प्रतिबंधित है। सीएसपी निशांत पाठक ने बताया कि खम्हरिया में असामाजिक तत्वों के छिपे होने की सूचना मिली थी, जिसके आधार पर यह कार्रवाई की गई। उन्होंने स्पष्ट किया कि नियम विरुद्ध तरीके से किराए पर दिए गए मकानों की सूची और विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर अग्रिम कार्रवाई के लिए भिलाई नगर निगम को भेजी जा रही है। दुर्ग पुलिस द्वारा विभिन्न थाना क्षेत्रों की कॉलोनियों में इस तरह की औचक चेकिंग आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

दो राज्यों की 11 राज्यसभा सीटों पर चुनाव की घोषणा

नईदिल्ली। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में खाली हो रही राज्यसभा की 11 सीटों के लिए द्विवार्षिक चुनाव चुनाव कार्यक्रम की आधिकारिक घोषणा कर दी है। इनमें उत्तर प्रदेश की 10 और उत्तराखंड की 1 सीट शामिल है। इन सभी सीटों पर 16 अक्टूबर को वोट डाले जाएंगे। आयोग के तय कार्यक्रम के अनुसार, 29 सितंबर से चुनावी कार्यवाही शुरू होगी। इसके बाद प्रत्याशी 6 अक्टूबर तक अपना नामांकन पत्र दाखिल कर सकेंगे, जबकि 9 अक्टूबर तक नाम वापस लिए जा सकेंगे।

उत्तर प्रदेश से उच्च सदन के 10 सदस्यों का कार्यकाल 25 नवंबर को समाप्त हो रहा है। सेवानिवृत्त होने वाले सांसदों में केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह, पूर्व उपमुख्यमंत्री दिनेश शर्मा, पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर के बेटे नीरज शेखर, पूर्व पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) बृजलाल, बीएल वर्मा, गीता उर्फ चंद्रप्रभा, सीमा और बसपा के रामजी गौतम शामिल हैं। वहीं, विपक्षी खेमे से समाजवादी पार्टी के कद्दावर नेता और अखिलेश यादव के चाचा प्रोफेसर रामगोपाल यादव का कार्यकाल भी इसी तारीख को खत्म हो रहा है। वहीं उत्तराखंड से भाजपा सांसद नरेश बंसल का कार्यकाल समाप्त हो रहा है।

केरल : 40 साल बाद एसएफआई के गढ़ में एबीवीपी का कब्जा

तिरुअनंतपुरम ए.। भाजपा की वैचारिक जनक संस्था आरएसएस की छात्र शाखा अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने त्रिपुनिथुरा सरकारी संस्कृत कॉलेज के संघ पर स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) से नियंत्रण हासिल कर लिया है। एबीवीपी ने कॉलेज संघ चुनावों में सभी सीटें जीतकर यह उपलब्धि दर्ज की है। इस परिणाम के साथ केरल में एसएफआई के गढ़ माने जाने वाले इस कॉलेज में वर्षों से चले आ रहे एसएफआई का दबदबा खत्म हो गया है।

एसएफआई कई वर्षों से कॉलेज यूनियन का संचालन कर रही थी, लेकिन इस बार एबीवीपी ने चुनाव में शानदार जीत हासिल करते हुए सभी छह प्रमुख पदों पर कब्जा कर लिया। यह जीत क्षेत्र में एक और राजनीतिक बदलाव के तुरंत बाद आई है। हाल ही में भाजपा ने त्रिपुनिथुरा नगरपालिका का कार्यभार संभाला है, जिससे स्थानीय निकाय में 45 वर्षों के वामपंथी शासन का अंत हुआ है। एबीवीपी ने अब कैंपस में भी इसी तरह की सफलता हासिल की है। एक ऐसे कॉलेज में जो चार दशकों से अधिक समय तक वामपंथी नियंत्रण में रहा था।

गैर-आवासीय खेल अकादमियों में प्रवेश के लिए चयन ट्रायल 23-24 सितम्बर को

रायपुर। राज्य शासन के खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा रायपुर जिले में संचालित गैर-आवासीय खेल अकादमियों में प्रवेश और प्रवेश के नवीनीकरण के लिए 23 सितम्बर और 24 सितम्बर को चयन ट्रायल का आयोजन किया गया है। इसमें भाग लेने के इच्छुक खिलाड़ी 23 सितम्बर को रायपुर के कोटा स्थित स्वामी विवेकानंद स्टेडियम में प्रात: 7 बजे से 11 बजे तक पंजीयन करा सकते हैं। चयन ट्रायल में शामिल होने के लिए आधार कॉर्ड, निवास प्रमाण पत्र, जन्म प्रमाण पत्र उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा।

खेल एवं युवा कल्याण विभाग के अधिकारियों ने बताया कि गैर-आवासीय बालक-बालिका तीरंदाजी और बालिकाओं के फुटबॉल (बालिका) के लिए चयन ट्रायल 23 सितम्बर को स्वामी विवेकानंद स्टेडियम कोटा तथा तीरंदाजी एरिना (बालिका खेल छात्रावास के सामने) में होंगे। वहीं गैर-आवासीय बालक-बालिका हॉकी एवं बालक-बालिका एथलेटिक्स के लिए चयन ट्रायल 24 सितम्बर को स्वामी विवेकानंद स्टेडियम कोटा एवं हॉकी स्टेडियम पिच-02 में सुबह 7 बजे से आयोजित किए गए हैं।

खेलो इंडिया एक्सीलेंस सेंटर में खराब भोजन की शिकायत, फर्म और अधिकारी को नोटिस

- **जांच के लिए दो अधिकारियों की समिति गठित**

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। बहतराई स्थित खेलो इंडिया स्टेट सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में खिलाड़ियों को दिए जा रहे भोजन की गुणवत्ता की शिकायत पर खेल एवं युवा कल्याण विभाग ने तत्काल संज्ञान लेते हुए कार्रवाई शुरू कर दी है। खिलाड़ियों के भोजन में लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए विभाग ने बिलासपुर में विभागीय सहायक संचालक तथा संबंधित भोजन प्रदायक फर्म को नोटिस जारी किया है। दोनों को 24 घंटे के भीतर स्पष्टीकरण देने के निर्देश दिए गए हैं।

संचालक आकांक्षा खलखो ने खिलाड़ियों की डाइट के मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारी तथा भोजन प्रदायक फर्म से जवाब तलब किया है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि मामले में सामने आए तथ्यों की वास्तविक स्थिति का परीक्षण किया जाएगा। विभाग ने तथ्यों की स्थल जांच और वस्तुस्थिति की पड़ताल के लिए संचालनालय स्तर से दो खेल अधिकारियों की जांच समिति भी गठित की गई है। समिति बहतराई स्थित खेलो इंडिया स्टेट सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में मामले का परीक्षण करेगी और जांच के बाद तथ्यात्मक प्रतिवेदन संचालनालय को प्रस्तुत करेगी। इस जांच के आधार पर सामने आने वाली वस्तुस्थिति के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

संचालक आकांक्षा शिक्षा खलखो ने कहा है कि खिलाड़ियों के भोजन, स्वास्थ्य और मूलभूत सुविधाओं में किसी भी प्रकार की कोताही स्वीकार्य नहीं होगी। खिलाड़ियों को निर्धारित मानकों के अनुरूप गुणवत्तायुक्त, स्वच्छ और पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराना विभाग की प्राथमिकता है। जांच में किसी भी प्रकार की अनियमितता अथवा लापरवाही पाए जाने पर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

संपादकीय

एसआईआर की विसंगतियां

वोटरों के लिए जांच प्रक्रिया को सरल बनाएं

देश में चल रहे स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन यानी एसआईआर प्रक्रिया की शुरुआत से ही तमाम तरह के विवाद जुड़े रहे हैं। बिहार विधानसभा चुनाव से ठीक पहले आनन-फानन में शुरू हुई एसआईआर प्रक्रिया को लेकर राजनीतिक दलों से लेकर प्रभावित लोगों ने तमाम सवाल उठाये। फिर पश्चिम बंगाल में भी कई विवाद सामने आए। जब विवाद बढ़ा तो देश की शीर्ष अदालत ने हस्तक्षेप किया। पश्चिम बंगाल में अभी मामला ठंडा पड़ा भी न था कि देश की नामचीन हस्तियों के वोटर रिकॉर्ड में कथित विसंगतियों के चलते नोटिस दिये जाने के बाद विवाद नये सिरे से सामने आया है।

> “ जिससे वोटरों के दोहराव, अयोग्य व मृत वोटरों के नाम मतदाता सूची से हटाए जा सकें। लेकिन साथ ही यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है कि कोई योग्य नागरिक वोटर लिस्ट से बाहर न रह जाये। निस्संदेह, ये दोनों ही मकसद समान रूप से महत्वपूर्ण हैं।

जिन लोगों को चुनाव आयोग के अधिकारियों की तरफ से नोटिस भेजे गए हैं, उनमें पूर्व प्रधानमंत्री एल.के.आडवाणी, विदेश मंत्री एस जयशंकर, पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता व आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल भी शामिल हैं। सबसे अजीब बात तो यह है कि चुनाव आयुक्त एस.एस.संधू को भी इस प्रक्रिया के तहत नोटिस भेजा गया है। जबकि इस प्रक्रिया को खुद भारतीय निर्वाचन आयोग चला रहा है। जब एसआईआर की जटिल प्रक्रिया की कसौटी पर देश के जागरूक व दिग्गज नेता ही खरे नहीं उतर रहे हैं तो आम आदमी की क्या बिसात? ऐसे में सामान्य लोगों को अपनी दावेदारी के लिये कागजात जुटाने में कितनी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा होगा, इसका अंदाजा सहज लगाया जा सकता है। यह प्रक्रिया कितनी जटिल हो चली है, वह इस बात से पता चलता है कि मात्र दिल्ली में ही 33 लाख से ज्यादा लोगों को नोटिस जारी किए गए हैं। ये नोटिस विशेष रूप से उन मामलों में जारी किए गए हैं जहां वोटरों को वर्ष 2002 के गहन संशोधन से नहीं जोड़ा जा सका है। दरअसल, एसआईआर प्रक्रिया में 2002 के गहन संशोधन से जोड़ने का प्रावधान बाद में शामिल किया गया । इस व्यवधान की वजह यह है कि नौकरी व शहर बदलने वाले बहुत सारे लोग दो दशक से अधिक समय का पर्याप्त रिकॉर्ड नहीं रख पाते।

हालांकि, नया विवाद सामने आने के बाद चुनाव आयोग और दिल्ली के मुख्य चुनाव अधिकारी ने इस बात पर बल दिया है कि एसआईआर की प्रक्रिया में नोटिस मिलने का मतलब यह नहीं है कि वोट काटा जायेगा। आश्वासन दिया जा रहा है कि वोटरों को दस्तावेज जमा करने और जवाब देने का पर्याप्त मौका दिया जाएगा। साथ यह भी कि अंतिम फैसला उचित प्रक्रिया के प्रावधानों के तहत ही लिया जायेगा। निश्चित रूप से यह सुरक्षा आश्वासन बेहद जरूरी है क्योंकि प्रक्रिया में शामिल न हो सकने वाले वोटर तमाम तरह की आशंकाओं से जूझ रहे हैं। इसमें दो राय नहीं है कि वोटर लिस्ट को समय-समय पर अपडेट किया ही जाना चाहिए। जिससे वोटरों के दोहराव, अयोग्य व मृत वोटरों के नाम मतदाता सूची से हटाए जा सकें। लेकिन साथ ही यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है कि कोई योग्य नागरिक वोटर लिस्ट से बाहर न रह जाये। निस्संदेह, ये दोनों ही मकसद समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। हालांकि, दिवंगत अर्थशास्त्री बिबेक देबरॉय का नाम उन लोगों की सूची में आना, जिनका डेटा पिछले एसआईआर से जुड़ नहीं पाया था, यह दिखाता है कि डेटाबेस आधारित प्रक्रियाओं में कितनी विसंगतियां हो सकती हैं। इस तरह पश्चिम बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया के दौरान सामने आई जटिलताएं व्यवस्था की विसंगतियों का सटीक उदाहरण प्रस्तुत करती हैं।

जिन लोगों के नाम वोटर लिस्ट से हटा दिए गए हैं, हो सकता है कि वे एक दशक से अधिक समय तक वोट न दे पाएं। ऐसे मामलों के निपटारे की मौजूदा रफ्तार को देखते हुए यह निष्कर्ष निकाला जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा बनाए गए अपीलीय ट्रिब्यूनल को उनकी अपीलों पर फैसला लेने में बारह साल से अधिक का समय लग सकता है। इससे पूरे देश के लिये यह सीख मिलती है कि हर योग्य वोटर को, अब चाहे वह विशिष्ट व्यक्ति हो या आम नागरिक- वोटर लिस्ट में बने रहने का उचित अवसर मिलना चाहिए। इस पूरी कवायद की विश्वसनीयता बनाये रखने के लिये एक पारदर्शी और समीक्षा योग्य प्रक्रिया की जरूरत है।

चुनावी चंदे के मामले में सियासी दल हों जवाबदेह

अशोक लवासा

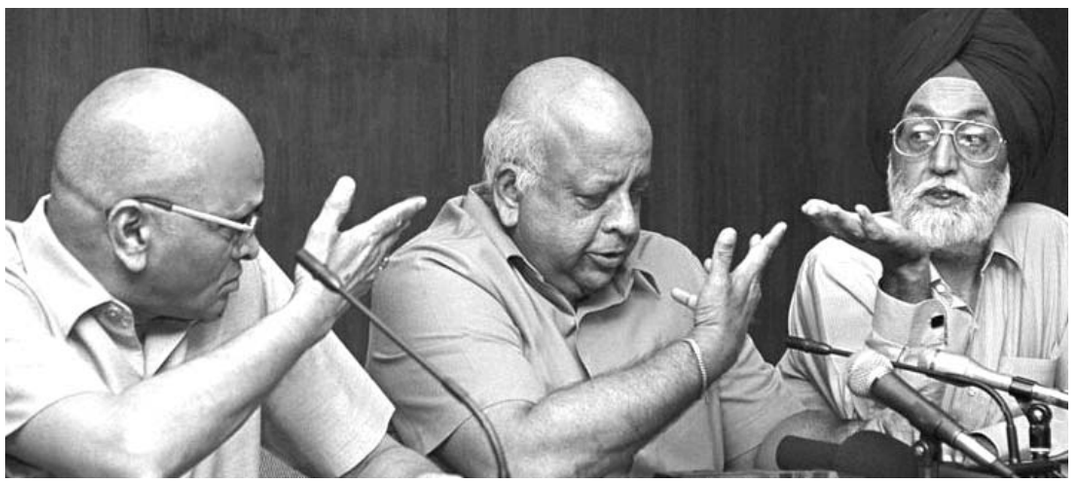

पंजीकृत किंतु अमान्यता प्राप्त सियासी दलों को मिलने वाले बड़े चंदे में पारदर्शिता न होने पर सवाल उठने स्वाभाविक हैं। चुनाव आयोग के सीमित हक, कर छूट प्रणाली व इलेक्टोरल बॉन्ड आदि के चलते संदेह और बढ़ा। ऐसे में कोर्ट की निगरानी में जांच व अनिवार्य ऑडिट जरूरी हैं। चुनाव आयोग को संदिग्ध दलों को हटाना चाहिए।

बीबीसी की हालिया खोजी खबर में छह पंजीकृत किंतु अमान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों (आरयूपीपी) को मिले भारी-भरकम चंदे के बारे में जांच ने भारतीय राजनीति का जाना-पहचाना लेकिन दिलचस्प पहलू उजागर किया है। ये वह बुराई है जो चंहु ओर व्याप्त है। सियासी दल और उन्हें फायदा देने वाले लोग इस गठजोड़ से फलते-फूलते हैं, भले यह निंदनीय, गैर-कानूनी व परेशानीजनक लगे।

इससे पहले, 18 जुलाई, 2025 को एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ने एक रिपोर्ट जारी की थी, जिसमें पाया गया कि वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान पंजीकृत किंतु अमान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों की घोषित आय में 223 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। रिपोर्ट कहती है, उक्त श्रेणी में आते 2764 दलों में से केवल 739 ने ही उस साल के अपने वित्तीय रिकॉर्ड चुनाव आयोग को सौंपे थे, जो कानून अनुसार राजनीतिक पार्टियों के भविष्य व भाग्य का एकमात्र विधाता है। 'चुनाव प्रणाली को साफ-सुथरा बनाना' शीर्षक से एक प्रेस नोट में, चुनाव आयोग ने (9 अगस्त 2025) कहा कि उसने 'चुनाव प्रणाली साफ-सुथरी बनाने की व्यापक और सतत रणनीति के तहत' 2854 पंजीकृत किंतु अमान्यता प्राप्त सियासी दलों में से 334 को सूची से हटा दिया। देखना दिलचस्प होगा कि क्या जिन छह पार्टियों की चर्चा हो रही है, वे चुनाव आयोग की इस 'सतत रणनीति' का हिस्सा हैं या नहीं। 16 अक्तूबर, 1994 को, चुनाव चिह्न (आरक्षण एवं आवंटन) आदेश, 1968 के तहत एक आदेश में, मुख्य चुनाव आयुक्त टी.एन. शेषन ने 'देश के करीब सभी सियासी दलों —चाहे वे मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय या राज्य स्तरीय पार्टियां थीं या पंजीकृत किंतु अमान्यता प्राप्त दल— में व्याप्त खराब कार्यप्रणाली' पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा :'मुझे अभी तक एक भी ऐसी पार्टी नहीं मिली जो अपना कामकाज उसके अपने संविधान या नियमों-विनियमों में दिए प्रावधानों मुताबिक चला रही हो'। उस आदेश के जरिए, उन्होंने सभी दलों को अपना कामकाज ठीक करने के लिए 'नोटिस' दिया था और घोषणा की कि चुनाव आयोग 'मूक दर्शक' बनकर नहीं रहेगा। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 29-ए के तहत पंजीकरण उपरांत केंद्रीय चुनाव आयोग के दिशा निर्देशों में अनुच्छेद 3 (भाग 23वां) कहता है कि पंजीकरण के इच्छुक दल को अपने संविधान में बताना होगा कि वह पंजीकरण के 5 साल के भीतर चुनाव लड़ेगा व अगर कोई दल '6 साल लगातार चुनाव नहीं लड़े' तो वह 'मान्यता प्राप्त दलों' की सूची से हटा दिया जाएगा।'

'सूची से हटाने' (डीलिस्टिंग) का मतलब पंजीकरण रद्द करना नहीं है, क्योंकि चुनाव आयोग के पास ऐसा करने का हक नहीं है। इस तरह, पंजीकृत किंतु अमान्यता प्राप्त राजनीतिक दल भले ही 'मान्यता प्राप्त' न भी हों, फिर भी वे धारा 29-बी के तहत चंदा पाने और धारा 29-सी के तहत आयकर छूट के हकदार रहते हैं। 'मान्यता' का मामला 'चुनाव चिन्ह आदेश' के आदेश नं. 6 से तय होता है, जो चिन्ह आवंटित करने के उद्देश्य से 'मान्यता प्राप्त' और 'गैर मान्यता प्राप्त' राजनीतिक दलों' में अंतर करता है व उनके वर्गीकरण के नियम तय करता है।

इसलिए, चाहे कोई दल सूची से हटा दिया गया हो या 'अमान्यता प्राप्त' श्रेणी में आता हो, उसे चंदा पाने का हक रहता है। जांच का विषय है कि क्या ऐसे चंदे पर आयकर छूट मिलती रही, क्योंकि सूची से हटाने का मकसद ही उन्हें अयोग्य ठहराना है। 'कॉमनवेल्थ ह्यूमन राइट्स इनिशिएटिव संस्था' में वरिष्ठ अनुसंधानकर्ता वेंकटेश नायक की रिपोर्ट के अनुसार, 22 दलों के पास 2024 के आम चुनावों के दौरान कुल 18,742.31 करोड़ रुपये की रकम थी। इसमें चुनाव की घोषणा के समय उनके पास मौजूद फंड और चुनाव की घोषणा से लेकर चुनाव खत्म होने के बीच जुटाया 7,416.31 करोड़ रुपये का चंदा शामिल था। केंद्रीय चुनाव आयोग को सौंपे गए हिसाब-किताब के मुताबिक, चुनाव उपरांत इन दलों के हाथ में 14,848.46 करोड़ रुपये था (नकदी, बैंक खातों और एफडी में रखा पैसा शामिल) जोकि चुनाव संबंधित खर्चों पर 3,861.57 रुपये लगने के बाद बचा था।

अध्ययन में पाया गया कि बीते दशक में, राजनीतिक चंदे पर कर छूट के कारण सरकारी खजाने को 11,813 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। इस मामले में निजी दानदाताओं और हिंदू अविभाजित परिवारों ने सियासी दलों को चंदा देने में कॉर्पोरेट्स को पीछे छोड़ दिया। वित्त वर्ष 2022-23 में, व्यक्तिगत दानदाताओं ने 2,275.85 करोड़ रुपये छूट का दावा पेश किया, जो कॉर्पोरेट द्वारा किए 514.4 करोड़ रुपये और फर्मों/एसोसिएशन के 115.71 करोड़ रुपये के दावों से कहीं ज़्यादा था। राजनीतिक दलों को मिला घोषित चंदा 2015-16 में 714 करोड़ रुपये (43 दल) से बढ़कर 2023-24 में 7,203 करोड़ रुपये (27 दल) हो गया। तथापि, कुल चंदा रकम (नौ वर्षों में 28,287 करोड़ ररुपये) में से केवल 41.76 प्रतिशत पर ही कर छूट का दावा किया, जिससे शेष 58 फीसदी बारे सवाल उठते हैं। नायक हैरान हैं कि 'कर छूट की इच्छा रखे बिना चंदा देने को उन्हें क्या चीज़ प्रेरित करती है? पारदर्शिता की कमी के कारण जवाब अस्पष्ट है।' 'इलेक्टोरल बॉन्ड' के नाम पर 2018 में सत्ताधारी दल जो सुधार लाया था, उसने गोपनीयता की मोटी परत चढ़ा दी, जिससे दलों को चंदे का पूरा परिदृश्य धुंधला कर डाला। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने 2024 में इसे असंवैधानिक घोषित कर दिया, लेकिन बाद में सामने आई चंदा संबंधी जानकारी ने ऐसे प्रश्न खड़े किए जिनका जवाब अभी तक नहीं मिला। अधिकांश पंजीकृत किंतु अमान्यता प्राप्त दल इलेक्टोरल बॉन्ड पाने के योग्य ही नहीं थे क्योंकि यह सुविधा उन दलों तक सीमित थी जिन्होंने हालिया लोकसभा या विधानसभा चुनावों में न्यूनतम 1 फीसदी वोट अंश पाया। तो फिर ये चंदा किसने व क्यों दिया? राजनीतिक दलों को पारदर्शिता बरतने में बहुत कम रुचि है। वे केंद्रीय सूचना आयोग के 2013 के उस आदेश को टालने को एकजुट हो गए, जिसके तहत उन्हें 'सूचना अधिकार अधिनियम' के दायरे में लाया गया था। आयकर विभाग भी शायद सियासी दलों के खातों की जांच-पड़ताल को उतनी प्राथमिकता नहीं देता, जितनी आम करदाता के खातों को देता है। चुनाव आयोग के पास ऐसा करने के लिए न तो हक हैं, न इच्छाशक्ति और न ही संसाधन।

अतएव, यह सुप्रीम कोर्ट की जिम्मेदारी बन जाती है कि वह इलेक्टोरल बॉन्ड और कथित 'लेन-देन' मामले की पड़ताल अदालती निगरानी में करने का आदेश दे। इसमें उन 'छोटे' दलों का मामला भी शामिल हो जिन्हें भारी चंदा मिला और उन्होंने खर्चा दिखाया, जबकि चुनावी प्रक्रिया में सरगर्म नहीं दिखे। अनुच्छेद 324 के तहत, चुनाव आयोग राजनीतिक दलों को आदेश दे कि वे नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक या उसके द्वारा नामित व्यक्ति से अपने खाते ऑडिट करवाएं। वह चुनावों के दौरान दलों के खर्च पर सीमा लगाने पर भी विचार करे। चंदे पर कर छूट को खर्च सीमा से जोड़ा जाए। शेष तमाम किस्म के चंदा, जिनसे दल समृद्ध होते हैं, उन पर पूरा कर लगना चाहिए। जो पंजीकृत किंतु अमान्यताप्राप्त दल निर्धारित दिशा निर्देशों के अनुसार चुनाव नहीं लड़ते, उन्हें 'सूची से हटाने' के लिए चुनाव आयोग एक स्वचालित प्रक्रिया विकसित करे, और केंद्रीय डिजिटल पोर्टल बनाए, जिस पर सभी पंजीकृत दल अपना-अपना वित्तीय डेटा अपलोड कर सकें। केंद्रीय चुनाव आयोग को अपनी ऊर्जा असली मतदाताओं को मतदाता सूची से निकाल बाहर कर 'शुद्धीकरण' करने के बजाय चुनावी माहौल 'साफ़-सुथरा' बनाने में लगानी चाहिए। तब तक, 'हम भारत के लोग' नेपाल की सुरंगों में फंसे लोगों की तरह 'हुनुहुंचा' (हम यहां हैं) चीखते रह जाएंगे।

लेखक पूर्व केंद्रीय चुनाव आयुक्त हैं।

खाद्य आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत बनाएं सरकारें

ज्ञानेन्द्र रावत

अलनीनो को लेकर अब हमारी सरकार अलर्ट मोड पर है। लेकिन ये चक्रीय जलवायु घटनाएं दुनिया को चेतावनी है कि वे अपने राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर खाद्य सुरक्षा को प्राथमिकता दें और आपदा प्रबंधन में पर्याप्त निवेश करें। प्रशांत महासागर में जिस तरह गर्मी ने अलनीनो को ताकतवर बना दिया है, उसका असर अगले साल फरवरी से पहले खत्म होने की उम्मीद नहीं है। अगले कुछ महीनों तक तापमान और बारिश का मिजाज सामान्य रहने की उम्मीद भी बेमानी है। कहीं तेज बारिश, कहीं तेज गर्मी और कहीं बाढ़ जैसी मौसमी घटनाएं इसका संकेत दे ही चुकी हैं। इसका असर सर्दियों पर भी पड़ने की आशंका है।

डब्ल्यूएमओ के अनुसार, प्रशांत महासागर में अगस्त महीने में तापमान सामान्य से 2.2 से 2.6 डिग्री अधिक हो गया। यही नहीं, समुद्र की गहराई में भी कई हिस्सों में पानी सामान्य से आठ डिग्री अधिक गर्म पाया गया है। इसी गर्मी ने अलनीनो को और ताकत दी है। डब्ल्यूएमओ की मानें तो सितंबर से नवंबर तक दुनिया के सभी हिस्सों में सामान्य से अधिक तापमान रहने की आशंका है। पहले से ही धरती पर पड़ रही गर्मी के बीच अलनीनो के असर से तापमान और बढ़ सकता है। इस कारण बारिश और तापमान वृद्धि के साथ-साथ सूखे और बाढ़ का खतरा भी बढ़ जाएगा।

दरसअल, प्रशांत महासागर का पानी गर्म होने पर भारत की ओर आने वाली हवाओं के दबाव और उनकी दिशा में बदलाव आता है। इससे बादलों की आवाजाही और बारिश के रास्ते में भी परिवर्तन होता है। यही कारण है कि इसका असर हजारों किलोमीटर दूर स्थित भारत जैसे देशों के मौसम पर भी पड़ता है। भारत में कम बारिश होने पर भी अलनीनो का प्रभाव बना रह सकता है। बीता अगस्त इसका उदाहरण है, जब सामान्य से 16 प्रतिशत कम बारिश हुई और सितंबर का पहला पखवाड़ा भी अगस्त की तरह ही रहा। यदि हिंद महासागर में विकसित होने वाला इंडियन ओशन डाइपोल आने वाले दिनों में पॉजिटिव हुआ तो अलनीनो की चपेट में आए मानसून को और नई ताकत मिल सकती है। यह भी माना जाता है कि अलनीनो से हवाओं की ताकत घटती है और अनेक इलाकों में बारिश सामान्य से कम रह जाती है। हालांकि, यह भी कटु सत्य है कि भारत का मानसून केवल अलनीनो से निर्धारित नहीं होता। बंगाल की खाड़ी में बनने वाले कम दबाव के क्षेत्र, मानसूनी टर्फ की स्थिति और हिंद महासागर की परिस्थितियां भी बारिश की मात्रा और उसके वितरण को काफी हद तक प्रभावित करती हैं।

कई बार कुल बारिश बहुत कम नहीं होती, लेकिन उसका समय और क्षेत्रीय वितरण असंतुलित हो जाता है। इससे देश के कई राज्यों में बुआई, अंकुरण और फसलों की शुरुआती बढ़ोतरी प्रभावित होती है। कई बार मजबूत अलनीनो के दौरान भी देश के कुछ इलाकों में अधिक बारिश होती है। यह काफी हद तक आईओडी की स्थिति पर निर्भर करता है कि वह पॉजिटिव रहता है या नहीं। अगर वह पॉजिटिव नहीं हुआ तो अलनीनो का दबाव बढ़ सकता है। ऐसी स्थिति में मध्य भारत, उत्तर-पश्चिम भारत और प्रायद्वीपीय क्षेत्रों में बारिश सामान्य से भी कम रहने का खतरा बना रहेगा। इस बार केंद्र सरकार का जोर जिलावार मौसम की निगरानी पर है। अलनीनो का खतरा केवल मौसम का मुद्दा नहीं है, बल्कि वह उत्पादन, खाद्य कीमतों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था से भी जुड़ा है।

अलनीनो का असर केवल मानसून तक सीमित नहीं रहेगा। इसके मजबूत रहने पर सर्दियों में भी तापमान सामान्य से अधिक रहने की आशंका है। समूचे उत्तर भारत में सर्दियों के छोटे होने और फरवरी-मार्च में गर्मी बढ़ने का रुझान पहले से दिखाई दे रहा है। इस हकीकत से भी मुंह नहीं मोड़ा जा सकता कि 2022-24 के मजबूत अलनीनो ने पहले से गर्म हो रहे ग्रह के तापमान में वृद्धि में नकारात्मक भूमिका निभाई और 2024 को दुनिया के सबसे गर्म वर्ष के रूप में दर्ज कराया।

दरसअल, अलनीनो जैसी चक्रीय जलवायु घटनाएं हर तीन से सात साल में होती हैं। इनकी पुनरावृत्ति पूरी दुनिया के लिए मुश्किलें खड़ी कर रही है। इनका सर्वाधिक असर भूमध्यरेखीय और उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों पर पड़ता है। भारत में कर्नाटक और पंजाब जैसे राज्यों में भी इनका प्रभाव देखा जाता है। ये घटनाएं मानसून के मिजाज को काफी हद तक प्रभावित कर सकती हैं। ऐसी स्थिति में समय रहते चेतावनी देने वाले डेटा को आपस में साझा करना और सीमाओं के पार पारदर्शी वैज्ञानिक सहयोग बढ़ाना बेहद जरूरी है। सूखे से लड़ने वाली फसलों के बीजों को साझा करना और पानी के भंडारों को सुरक्षित रखना भी आवश्यक है। अलनीनो को लेकर अब हमारी सरकार अलर्ट मोड पर है। लेकिन ये चक्रीय जलवायु घटनाएं दुनिया को चेतावनी है कि वे अपने राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर खाद्य सुरक्षा को प्राथमिकता दें और आपदा प्रबंधन में पर्याप्त निवेश करें। इस बाबत संयुक्त राष्ट्र का सेंडाई फ्रेमवर्क भी आपदा जोखिम को कम करने और वैश्विक विकास लक्ष्यों में जलवायु लचीलेपन को शामिल करने पर विशेष जोर देता है।

राज्य योजनाओं में लागू होगा स्टेट सिंगल नोडल एजेंसी (एस-एसएनए) मॉडल

सुनील त्रिपाठी

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक में राज्य सरकार द्वारा वित्तपोषित चिन्हित योजनाओं के लिए राज्य एकल नोडल एजेंसी (एस-एसएनए) मॉडल लागू करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है। नई व्यवस्था का उद्देश्य राज्य योजनाओं में सरकारी निधि के प्रवाह को अधिक पारदर्शी, सुरक्षित, कुशल और प्रभावी बनाना है। एस-एसएनए मॉडल के तहत विभिन्न क्रियान्वयन एजेंसियों के अनेक बैंक खातों में पहले से राशि रखने के बजाय प्रत्येक चिन्हित योजना के लिए एक केंद्रीकृत मुख्य खाता (मदर अकाउंट) बनाया जाएगा। योजना के लिए राशि वास्तविक आवश्यकता के अनुसार ही जारी होगी। भुगतान के समय एस-एसएनए खाते से संबंधित शून्य शेष सहायक खाते (जेडबीएसए) के माध्यम से सीधे विक्रेता अथवा हितग्राही के खाते में भुगतान किया जाएगा। इससे सरकारी धन लंबे समय तक निष्क्रिय नहीं रहेगा और उपलब्ध निधि का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया जा सकेगा।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य योजनाओं के लिए उपलब्ध प्रत्येक रुपये का अधिकतम और प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करना है। एस-एसएनए मॉडल से सरकारी धन के प्रवाह में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ेगी तथा योजनाओं के क्रियान्वयन की वास्तविक समय में निगरानी संभव होगी। इससे वित्तीय अनुशासन मजबूत होने के साथ सुशासन को भी अधिक प्रभावी बनाने में मदद मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि योजनाओं की राशि अनावश्यक रूप से अलग-अलग बैंक खातों में पड़ी रहने के बजाय आवश्यकता के समय सीधे हितग्राही और विक्रेता तक पहुंचेगी। इससे सरकारी संसाधनों का बेहतर उपयोग होगा और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अधिक प्रभावी ढंग से लोगों तक पहुंचाने में सहायता मिलेगी।

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि एस-एसएनए मॉडल राज्य के वित्तीय प्रबंधन को अधिक आधुनिक, तकनीक आधारित और परिणामोन्मुख बनाएगा। इसका मूल उद्देश्य यह है कि जिस राशि की सरकार को तत्काल आवश्यकता नहीं है, उसे पहले से बैंक खातों में रखने के बजाय जरूरत पड़ने पर ही उपयोग में लाया जाए। इससे राज्य की नकदी प्रबंधन क्षमता बेहतर होगी और उपलब्ध संसाधनों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि एक ओर सरकार को विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं के लिए संसाधन जुटाने पड़ते हैं, वहीं दूसरी ओर विभिन्न बैंक खातों में सरकारी राशि निष्क्रिय पड़ी रहती है। एस-एसएनए मॉडल इस अंतर को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इससे अनावश्यक ऋण लेने की जरूरत और उस पर लगने वाले ब्याज के भार को कम करने में मदद मिलेगी तथा वित्तीय अनुशासन मजबूत होगा।

केंद्र प्रायोजित योजनाओं में भारत सरकार द्वारा लागू एकल नोडल एजेंसी व्यवस्था के अनुरूप राज्य सरकार द्वारा वित्तपोषित चिन्हित योजनाओं में भी एस-एसएनए मॉडल लागू किया जाएगा। इसके तहत योजनाओं के निधि प्रवाह की शुरुआत राज्य कोषागार/ई-कोष से एस-एसएनए खाते तक होगी।

इसके बाद क्रियान्वयन एजेंसियों को सीधे राशि हस्तांतरित करने के बजाय उनके लिए निर्धारित व्यय एवं आहरण सीमा उपलब्ध कराई जाएगी। वास्तविक भुगतान के समय ही संबंधित हितग्राही या विक्रेता को राशि जारी की जाएगी। एस-एसएनए मॉडल की प्रमुख विशेषता आवश्यकता के समय निधि जारी करना है। इसके तहत योजना की राशि पहले से अलग-अलग खातों में जमा रखने के बजाय वास्तविक आवश्यकता के समय ही भुगतान किया जाएगा। इससे बैंक खातों में अनावश्यक रूप से पड़ी राशि कम होगी और योजनाओं की निधि का लगभग शून्य निष्क्रिय शेष सुनिश्चित किया जा सकेगा।

इस व्यवस्था में मुख्य खाता और सहायक खाते की प्रणाली के साथ प्रत्यक्ष लाभ अंतरण तथा गैर-प्रत्यक्ष लाभ अंतरण, दोनों प्रकार के भुगतान शामिल किए जा सकेंगे। जिला, विकासखंड, पंचायत और ग्राम स्तर की चिन्हित क्रियान्वयन एजेंसियों को भी इसके दायरे में लाया जा सकेगा।

वास्तविक समय की निगरानी से बढ़ेगी पारदर्शिता

एस-एसएनए मॉडल से योजनाओं में निधि प्रवाह और व्यय की वास्तविक समय में निगरानी संभव होगी। विभागों को उपलब्ध निधि, जारी व्यय सीमा, वास्तविक व्यय और अप्रयुक्त राशि की स्पष्ट जानकारी मिल सकेगी।

डिजिटल प्रणाली में निर्माता-जांचकर्ता आधारित लेखा-परीक्षण अभिलेख होने से वित्तीय लेन-देन की निगरानी मजबूत होगी। इससे सरकारी राशि के दुरुपयोग, अनधिकृत भुगतान और बैंकिंग धोखाधड़ी की संभावनाओं पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने में मदद मिलेगी।

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि डिजिटल लेखा-परीक्षण अभिलेख और वास्तविक समय की निगरानी से प्रत्येक स्तर पर निधि के उपयोग की स्पष्ट जानकारी उपलब्ध होगी। इससे वित्तीय अनियमितताओं की संभावना कम होगी और विभागों को अपने संसाधनों तथा व्यय की बेहतर योजना बनाने में मदद मिलेगी।

निष्क्रिय राशि और अनावश्यक ऋण पर लगेगा अंकुश

वर्तमान व्यवस्था में आवश्यकता से पहले राशि आहरित होने के कारण विभिन्न विभागीय खातों में बड़ी मात्रा में सरकारी धन निष्क्रिय पड़ा रहता है। प्रस्तावित व्यवस्था से इस समस्या को कम किया जा सकेगा। विभागीय निष्क्रिय खातों में लगभग 530 करोड़ रुपये तथा भारतीय रिजर्व बैंक के डीईएएफ खातों में लगभग 100 करोड़ रुपये की निष्क्रिय राशि जैसी समस्याओं पर भी प्रभावी नियंत्रण की उम्मीद है।

सरकार की ओर से बताया गया कि एक ओर योजनाओं के लिए ऋण लेकर ब्याज का भुगतान करना पड़ता है, जबकि दूसरी ओर विभिन्न बैंक खातों में सरकारी राशि निष्क्रिय पड़ी रहती है। एस-एसएनए मॉडल के माध्यम से उपलब्ध निधियों के बेहतर प्रबंधन से अनावश्यक ऋण की आवश्यकता कम होगी। इससे ब्याज भार और राजस्व घाटे को नियंत्रित करने में सहायता मिल सकती है। एस-एसएनए व्यवस्था के तहत योजनाओं की राशि के प्रबंधन से अर्जित ब्याज राज्य की संचित निधि में जमा किया जाएगा। इससे सार्वजनिक वित्तीय संसाधनों का अधिक कुशल उपयोग सुनिश्चित करने और राज्य की नकदी प्रबंधन क्षमता को मजबूत करने में मदद मिलेगी। नई व्यवस्था से आहरण एवं संवितरण अधिकारियों तथा अन्य क्रियान्वयन एजेंसियों के खातों में लंबे समय तक निष्क्रिय पड़ी राशि की समस्या दूर करने में मदद मिलेगी। साथ ही मैनुअल मिलान, विलंबित उपयोगिता प्रमाण-पत्र और ऑफलाइन सत्यापन से जुड़ी समस्याओं में भी कमी आएगी।

डिजिटल निधि प्रवाह और लेखा-परीक्षण अभिलेख के कारण वित्तीय रिपोर्टिंग अधिक पारदर्शी और समयबद्ध हो सकेगी। एस-एसएनए मॉडल को लागू करने के लिए छह प्रमुख चरण निर्धारित किए गए हैं। इनमें योजना की पहचान, वित्त विभाग से अनुमोदन, योजना कोड आवंटन, ई-कोष से संबद्धता, एस-एसएनए एवं जेडबीएसए खाते खोलना तथा कोषागार से एस-एसएनए और क्रियान्वयन एजेंसी के माध्यम से हितग्राही या विक्रेता को भुगतान शामिल है। यह व्यवस्था राज्य सरकार द्वारा वित्तपोषित चिन्हित योजनाओं तथा विभागों की अन्य चिन्हित योजनाओं पर लागू होगी। प्रत्यक्ष लाभ अंतरण और गैर-प्रत्यक्ष लाभ अंतरण, दोनों प्रकार की योजनाओं के साथ जिला, विकासखंड, पंचायत एवं ग्राम स्तर की क्रियान्वयन एजेंसियों को इसके दायरे में लाया जा सकेगा।

हालांकि, पीएफएमएस-एसएनए/स्पर्श के अंतर्गत आने वाली केंद्र प्रायोजित योजनाएं, केंद्रीय क्षेत्र की योजनाएं तथा ऐसी योजनाएं जिनमें आहरण एवं संवितरण अधिकारी सीधे ई-कोष के माध्यम से भुगतान करते हैं, इस व्यवस्था से बाहर रहेंगी। मंत्रिपरिषद ने एस-एसएनए मॉडल के क्रियान्वयन पर सहमति प्रदान करते हुए इससे संबंधित आवश्यक कार्रवाई के लिए वित्त विभाग को अधिकृत किया है। सरकार के अनुसार, नई व्यवस्था से राज्य में निधि के प्रवाह को अधिक पारदर्शी, कुशल और अनुशासित बनाने के साथ बेहतर वित्तीय प्रबंधन तथा सुशासन को मजबूती मिलेगी।

लेखक सहायक संचालक जनसंपर्क हैं।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई–दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें...

बांग्ला साहित्यकार पल्लव को अंतरराष्ट्रीय वैश्विक राजदूत सम्मान

भिलाई। इस्पात नगरी भिलाई के वरिष्ठ बांग्ला साहित्यकार एवं कवि पल्लव चटर्जी को साहित्य, समाज और वैश्विक सांस्कृतिक आदान–प्रदान में उनके विशेष योगदान के लिए अंतरराष्ट्रीय मंच द्वारा सम्मानित किया जाएगा। नाइजीरियाई उद्यमी और साहित्यिक समर्थक सीनेटर–एबेल इडामिनाबो द्वारा संचालित साहित्यिक मंच 'अफ्रीकन पोएट्री जायंट' और 'इडामिनाबो एम्पायर्स' ने पल्लव चटर्जी को वैश्विक साहित्य एवं वैश्विक राजदूत सम्मान से विभूषित करने की घोषणा की है। इस वैश्विक पहचान से साहित्यिक बिरादरी में हर्ष का माहौल है।

पीडब्ल्यूडी के लंबित पेंशन प्रकरणों के निराकरण के लिए 30 सितंबर को शिविर

दुर्ग। लोक निर्माण विभाग के विभिन्न कार्यालयों में लंबित पेंशन प्रकरणों के निराकरण के लिए 30 सितम्बर 2026 को पेंशन निराकरण शिविर आयोजित किया जाएगा। यह शिविर कार्यालय संभागीय संयुक्त संचालक, कोष, लेखा एवं पेंशन, दुर्ग में आयोजित होगा। संयुक्त संचालक कोष, लेखा एवं पेंशन दुर्ग से प्राप्त जानकारी अनुसार लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत विभिन्न कार्यालयों में लंबित पेंशन प्रकरणों को पेंशन शाखा प्रभारी लिपिक के माध्यम से शिविर स्थल पर अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करें, ताकि प्रकरणों का समयबद्ध निराकरण किया जा सके।

स्ट्रीट वेंडर्स को स्वच्छता के प्रति किया गया जागरूक

भिलाई। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजनान्तर्गत शासन के निर्देशों के अनुपालन एवं निगम आयुक्त सुरुचि सिंह के कुशल मार्गदर्शन में आज दिनांक 21.09.2026 को प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन के सहयोग से नगर निगम सभागार कक्ष में स्ट्रीट वेंडर्स हेतु स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य स्ट्रीट वेंडर्स को अपने व्यवसाय स्थल एवं आसपास के क्षेत्र में स्वच्छता बनाए रखने तथा नागरिकों को स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराने के प्रति जागरूक एवं प्रेरित करना था।

1 से 5 अक्टूबर तक सेवा सेतु शिविर

दुर्ग। छत्तीसगढ़ शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा जारी निर्देशों के अनुक्रम में राज्य में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक संचालित सेवा संकल्प अभियान के तहत जिले में व्यापक प्रशासनिक तैयारियां की गई हैं। इसी कड़ी में 'सेवा सेतु अभियान–सरकार आपके द्वार' के अंतर्गत 01 से 05 अक्टूबर 2026 तक जिले के दुर्ग, धमधा एवं पाटन विकासखंडों में विकासखंड स्तरीय विशेष 'सेवा सेतु शिविरों' की श्रृंखला आयोजित की जा रही है। कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह ने आमजनों की समस्याओं के त्वरित निराकरण, पारदर्शी सेवा प्रदायगी तथा प्रत्येक परिवार की सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु तिथिवार शिविरों हेतु आदेश जारी कर दिया है।

औद्योगिक दुर्घटनाएं रोकने सुरक्षा उपायों की समीक्षा, समयबद्ध निराकरण करने के दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले में विगत वर्षों में घटित गंभीर एवं खतरनाक औद्योगिक दुर्घटनाओं की समीक्षा तथा भविष्य में ऐसी दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने और कार्यस्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के उद्देश्य से भिलाई इस्पात संयंत्र में औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा संचालक मनीष श्रीवास्तव ने की।

बैठक में भिलाई इस्पात संयंत्र सहित जिले के विभिन्न बड़े औद्योगिक प्रतिष्ठानों के सुरक्षा अधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर उप संचालक श्री मनीष कुंजाम एवं सहायक संचालक श्री दिव्यांश सिन्हा व श्री पीयूष वर्मा भी उपस्थित रहे। बैठक में जिले में विगत 10 वर्षों में घटित गंभीर एवं खतरनाक औद्योगिक दुर्घटनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। दुर्घटनाओं के कारणों, परिस्थितियों, कार्य–पद्धतियों तथा दुर्घटनाओं के दौरान सामने आई कमियों एवं खामियों का विश्लेषण किया गया।

औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा संचालक द्वारा निर्देशित किया गया कि पूर्व में घटित दुर्घटनाओं की केस स्टडी तैयार कर उनसे प्राप्त सीख को कारखानों की वर्तमान सुरक्षा व्यवस्था में शामिल किया जाए। दुर्घटनाओं के मूल कारणों का विश्लेषण करते हुए आवश्यक निवारक एवं सुधारात्मक उपायों को प्रभावी रूप से लागू किया जाए। बैठक में खतरनाक एवं जोखिमपूर्ण कार्यों के लिए कार्य–विशिष्ट एसओपी तैयार करने तथा संबंधित श्रमिकों को कार्य की प्रकृति एवं जोखिम के अनुरूप प्रशिक्षण देने पर विशेष जोर दिया गया। नियमित सुरक्षा एवं रिफ्रेशर प्रशिक्षण आयोजित करने तथा कार्यस्थल पर निर्धारित सुरक्षा प्रक्रियाओं, व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण एवं अन्य आवश्यक सुरक्षा उपायों का अनिवार्य रूप से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। संचालक द्वारा बताया गया कि खतरनाक कार्य को निर्धारित कार्य–विधि के बिना नहीं कराया जाए। कार्य प्रारंभ करने से पूर्व जोखिम मूल्यांकन, सुरक्षित कार्य–विधि, आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

हाईकोर्ट ने लॉन्च की 3 नई ई-सेवाएं, दुर्ग में कियोस्क और एएफआर ऐप की सुविधा शुरू

कैशलेस जुर्माना भुगतान, एएफआर मोबाइल ऐप और कोर्ट फीस टिकट जनरेशन सिस्टम से वकीलों और पक्षकारों को मिलेगी त्वरित और पारदर्शी कानूनी सुविधा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। न्यायिक प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, सुलभ और डिजिटल बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर के मुख्य न्यायाधीश द्वारा जिला न्यायपालिका के लिए तीन प्रमुख ई–सेवाओं की शुरुआत की गई है। उच्च न्यायालय के कंप्यूटर सेल/सीपीसी के निर्देशों के पालन में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय, दुर्ग ने इन सेवाओं को तुरंत प्रभाव से लागू करने की विस्तृत योजना तैयार की है।

उच्च न्यायालय के दिशा–निर्देशों के परिपालन में जिला न्यायालय दुर्ग (जिसमें पाटन, भिलाई–3 और धमधा तालुका न्यायालय शामिल हैं) द्वारा निम्नलिखित कदम उठाए जा रहे है। पक्षकारों और अधिवक्ताओं की सुविधा के लिए दुर्ग जिला न्यायालय परिसर में स्थापित चह्ळह्स्च्य मशीन के साथ विशेष प्रिंटर की व्यवस्था की जा रही है, ताकि ई–कोर्ट फीस टिकट तुरंत प्रिंट किए जा सकें। AFR मोबाइल ऐप का व्यापक उपयोग सुनिश्चित करने के लिए डाउनलोड लिंक जिला अधिवक्ता संघ, दुर्ग तथा सभी अधीनस्थ न्यायालयों को ईमेल और व्हाट्सएप के माध्यम से साझा किया गया है।

जन-जागरूकता एवं वेबसाइट पर प्रसार

इन ई–सेवाओं की विस्तृत जानकारी जिला न्यायालय के नोटिस बोर्ड पर चस्पा की जा रही है, तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय दुर्ग की आधिकारिक वेबसाइट पर भी इसका व्यापक प्रचार–प्रसार सुनिश्चित किया जा रहा है, जिससे आम जनता, पक्षकारों और अधिवक्ताओं को इन डिजिटल सेवाओं की सही जानकारी और सीधा लाभ मिल सके।

तीन प्रमुख ई-सेवाएं

कैशलेस जुर्माना भुगतान सुविधा : इस प्रणाली के माध्यम से जिला न्यायालयों में अदालती जुर्माने का भुगतान केवल डिजिटल मोड से किया जा सकेगा। इससे न्यायालयों में नकदी के लेन–देन में कमी आएगी, कागजी कार्रवाई घटेगी और डिजिटल रिकॉर्ड के साथ प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित होगी।

एएफआर मोबाइल एप्लीकेशन : यह ऐप अधिवक्ताओं और पक्षकारों को उच्च न्यायालय के 'एएफआर' यानी लैंडमार्क फैसलों, केस साइटेशन और कानूनी व्याख्याओं तक त्वरित और पेपरलेस पहुँच प्रदान करेगा। इससे अधिवक्ताओं को त्वरित केस तैयारी में मदद मिलेगी।

कोर्ट फीस टिकट जनरेशन सिस्टम : अधिवक्ता और पक्षकार अब ePay-eCourts पोर्टल और GRAS प्रणाली के माध्यम से यूपीआई या नेट बैंकिंग का उपयोग करके डिजिटल कोर्ट फीस जमा कर सकेंगे। सफल भुगतान के बाद प्रणाली द्वारा स्वचालित रूप से GRN और e-Challan जनरेट होगा, जिसका सत्यापन कोर्ट रजिस्ट्री आसानी से कर सकेगी।

सेवा ही संकल्प अभियान के तहत तालाबों में विशेष सफाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर निगम भिलाई क्षेत्र में सेवा ही संकल्प एवं स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत स्वच्छता दीदियों एवं सफाई मित्रों द्वारा तालाबों की विशेष साफ-सफाई का अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत निगम क्षेत्र के विभिन्न तालाबों में जमा कचरा, पूजा सामग्री एवं अपशिष्ट को निकालकर तालाबों को स्वच्छ एवं रखने का कार्य किया जा रहा है।

त्यौहारी सीजन को देखते हुए तालाबों में पूजा सामग्री एवं निर्माल्य के रूप में जमा होने वाले कचरे की नियमित सफाई पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। स्वच्छता दीदियां तालाबों के आसपास एवं जल क्षेत्र से कचरा एकत्र कर उसका उचित निपटान कर रही हैं, जिससे तालाबों की स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण सुनिश्चित हो सके। इसी क्रम में सफाई मित्र सुरक्षा एवं सम्मान शिविर का भी आयोजन किया गया। शिविर के माध्यम से सफाई मित्रों को स्वच्छता कार्य के दौरान सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया तथा उनके योगदान और सेवाओं के प्रति सम्मान व्यक्त किया गया। निगम द्वारा नागरिकों से भी अपील की गई है कि तालाबों में कचरा एवं पूजा सामग्री न डालें तथा स्वच्छता अभियान में सहयोग करते हुए तालाबों एवं आसपास के क्षेत्रों को स्वच्छ बनाए रखने में अपनी सहभागिता निभाएं।

टाइम मैगजीन-स्टेटिस्टा सर्वेक्षण में भारत के बेस्ट एम्प्लॉयर्स में सेल को मिला 25वां स्थान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) को प्रतिष्ठित टाइम मैगजीन एवं स्टेटिस्टा द्वारा किए गए 'वर्ल्ड्स बेस्ट एम्प्लॉयर्स' सर्वेक्षण में भारत के शीर्ष 500 एम्प्लॉयर्स में 25वां स्थान प्राप्त हुआ है। यह उपलब्धि कार्यस्थल के वातावरण एवं कर्मचारी अनुभव के क्षेत्र में देश की अग्रणी संस्थाओं में सेल की पहचान को रेखांकित करती है।

यह रैंकिंग देशभर के कर्मचारियों से प्राप्त व्यापक सर्वेक्षण पर आधारित है। इसमें कर्मचारियों से अपने संगठन तथा अपने क्षेत्र के अन्य नियोक्ताओं की अनुशंसा करने की इच्छा के संबंध में राय ली गई। यह सम्मान सेल द्वारा कर्मचारी–केंद्रित संगठन के निर्माण तथा बेहतर कार्य वातावरण के लिए किए जा रहे निरंतर प्रयासों की महत्वपूर्ण पहचान है। सेल द्वारा कर्मचारी कल्याण, सहभागिता, सीखने एवं विकास, कार्यस्थल पर बेहतर वातावरण तथा व्यावसायिक विकास के अवसरों से संबंधित विभिन्न पहल निरंतर संचालित की जा रही हैं। व्यापक कार्यबल के साथ सेल समावेशी एवं प्रगतिशील कार्य संस्कृति को बढ़ावा देने की दिशा में निरंतर प्रयासरत है।

सड़क किनारे लगे अवैध फल ठेले हटाए गए यातायात सुगम बनाने निगम की कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा शहर में यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने एवं सड़क किनारे किए जा रहे अवैध अतिक्रमण को हटाने लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में निगम की रोका–छेका टीम द्वारा पावर हाउस चौक क्षेत्र में सड़क किनारे अवैध रूप से संचालित फल ठेलों को हटाने की कार्रवाई की गई।

पावर हाउस चौक शहर का व्यस्ततम क्षेत्र होने के कारण यहां दिनभर वाहनों का आवागमन अधिक रहता है। सड़क किनारे फल ठेले एवं अन्य अस्थायी दुकानें लगने से सड़क की चौड़ाई कम हो रही थी तथा यातायात का दबाव बढ़ रहा था। इसे देखते हुए निगम की टीम ने मौके पर पहुंचकर सड़क किनारे लगाए गए अवैध ठेलों को हटाया और आवागमन के लिए मार्ग को व्यवस्थित किया। निगम अधिकारियों ने बताया कि सड़क एवं सार्वजनिक स्थानों पर अतिक्रमण के कारण आम नागरिकों को आवागमन में परेशानी होती है। यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने के लिए ऐसे स्थानों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है तथा आवश्यकतानुसार अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

नेहरू नगर में सीवरेज समस्या दिशा में निगम की कार्रवाई

■ नई सीवरेज लाइन से जोड़ा गया नेटवर्क

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र के नेहरू नगर में सीवरेज लाइन से संबंधित समस्या की लगातार प्राप्त हो रही शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए निगम द्वारा आवश्यक सुधार कार्य प्रारंभ किया गया है। निगम की तकनीकी टीम द्वारा प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण कर सीवरेज व्यवस्था को दुरुस्त करने की दिशा में कार्रवाई की जा रही है।

इसी क्रम में सीवरेज लाइन को नई लाइन से जोड़ते हुए आवश्यक सुधार कार्य पूर्ण किया गया है, जिससे संबंधित क्षेत्र में सीवरेज की समस्या से राहत मिलने लगी है। वहीं, कुछ स्थलों पर तकनीकी एवं आवश्यक कार्य शेष हैं, जिन्हें भी शीघ्र पूर्ण किया जाएगा।

नगर निगम द्वारा बताया गया कि शेष कार्य पूर्ण होने के बाद नेहरू नगर क्षेत्र में सीवरेज व्यवस्था में और सुधार आएगा तथा नागरिकों को आगामी समय में समस्या से स्थायी राहत मिलने की उम्मीद है। निगम की टीम द्वारा कार्य की सतत निगरानी की जा रही है, ताकि सीवरेज संबंधी शिकायतों का समयबद्ध तरीके से निराकरण किया जा सके। नगर निगम प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि सीवरेज लाइन में कचरा, प्लास्टिक अथवा अन्य अनुपयोगी सामग्री न डालें। ताकि सीवरेज व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित हो सके।

अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस पर भिलाई में हुआ भव्य महिला महासम्मेलन का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस के उपलक्ष्य में सेक्टर–7 स्थित पीस ऑडिटोरियम में आंतरिक शक्ति से सशक्त नारी—विश्व शांति की शिल्पकार विषय पर भव्य महिला महासम्मेलन का आयोजन किया गया। इस मौके पर रशिया के सेवा केंद्रों की निदेशिका एवं महिला प्रभाग की राष्ट्रीय अध्यक्षा राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी चक्रधारी दीदी ने कहा कि सफलता पहचान देती है, जबकि परिवार हमें अपनापन देता है। उन्होंने कहा कि जब व्यक्ति भीतर से अशांत होता है तो उसकी कार्य करने की क्षमता भी प्रभावित होती है। हमारे विचार ही हमारी ऊर्जा हैं और हमारे संकल्पों से ही हमारी सृष्टि का निर्माण होता है। इसलिए मन को सकारात्मक एवं शांत रखना जीवन की सफलता के लिए अत्यंत आवश्यक है।

इससे पहले मंचासीन अतिथियों द्वारा कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ दीप प्रज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम के दौरान माउंट आबू से पधारीं डॉ. सविता बहन ने कहा कि वर्तमान समय में पूरा विश्व हिंसा और युद्ध के संकट से जूझ रहा है। जीवन में वास्तविक शांति सकारात्मक दृष्टिकोण से ही संभव है। इसके लिए हमें अपने विचारों की दिशा को परिवर्तित करना होगा। आध्यात्मिकता हमें यह सिखाती है कि मन की शांति को बनाए रखते हुए कार्य और व्यवहार में आना है।

उन्होंने कहा कि भारत में शक्तियों की पूजा की परंपरा रही है। धन की देवी लक्ष्मी, विद्या की देवी मां सरस्वती और शक्ति की देवी मां दुर्गा के रूप में नारी शक्ति का सम्मान किया जाता है। आज नारी शक्ति विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा और सामर्थ्य का परिचय दे रही है। माताएं और बहनें सेना, उद्योग, शिक्षा, प्रशासन सहित विभिन्न उच्च पदों पर आसीन होकर परिवार के साथ–साथ समाज और राष्ट्र की सेवा कर रही हैं।

शांति किसी स्थान में नहीं, हमारे विचारों में है

डॉ. सविता बहन ने कहा कि शांति पाने के लिए हम पहाड़ों या समुद्र के किनारे चले जाते हैं, लेकिन यदि परिवार के किसी सदस्य के संबंध में कोई गलत समाचार मिल जाए तो मन की शांति तुरंत गायब हो जाती है। इससे स्पष्ट है कि शांति का संबंध स्थान और परिस्थितियों से नहीं, बल्कि हमारे मन और विचारों से है। उन्होने कहा कि हमारा जीवन हमारे विचारों का ही परिणाम है। अच्छे और सकारात्मक विचार हमें सुख, शांति और संतुष्टि प्रदान करते हैं, जबकि नकारात्मक विचार चिंता, तनाव और अशांति को जन्म देते हैं। आज समाज में अहंकार का टकराव भी अशांति का एक प्रमुख कारण बन गया है।

तीन स्तरों पर दिया शांति स्थापना का संदेश

कार्यक्रम को तीन स्तरों में विभाजित किया गया। प्रथम स्तर पर स्वयं में शांति, दूसरे स्तर पर परिवार में शांति तथा तीसरे स्तर पर समाज और विश्व में शांति की स्थापना का संदेश दिया गया। भिलाई सेवा केंद्रों की निदेशिका राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी आशा दीदी ने कहा कि विश्व में शांति की स्थापना का कार्य परमात्मा द्वारा माताओं और बहनों के माध्यम से कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिम्मेदारी का कलश माता और बहनों के ऊपर रखा गया है। नारी अपने आंतरिक आत्मबल, प्रेम, करुणा और आध्यात्मिक शक्ति के माध्यम से परिवार एवं समाज में शांति की मजबूत भूमिका निभाती है।

सहनशीलता, त्याग, सेवा और करुणा नारी के सहज गुण

महासम्मेलन में नारी शक्ति के सहज गुणों पर प्रकाश डालते हुए कहा गया कि सहनशीलता, त्याग, सेवा और करुणा नारी के स्वाभाविक गुण हैं। इन्हीं गुणों को आत्मबल और आध्यात्मिक शक्ति से जोड़कर नारी परिवार, समाज और राष्ट्र में शांति की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

सृजन की शक्ति' पर बच्चों की मनमोहक नृत्य-नाटिका

कार्यक्रम में 'सृजन की शक्ति' थीम पर डिवाइन ग्रुप के बच्चों द्वारा सुंदर एवं भावपूर्ण नृत्य–नाटिका प्रस्तुत की गई, जिसने उपस्थित दर्शकों को भाव–विभोर कर दिया। कार्यक्रम का सुंदर मंच संचालन वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्रह्माकुमारी प्राची दीदी द्वारा किया गया।

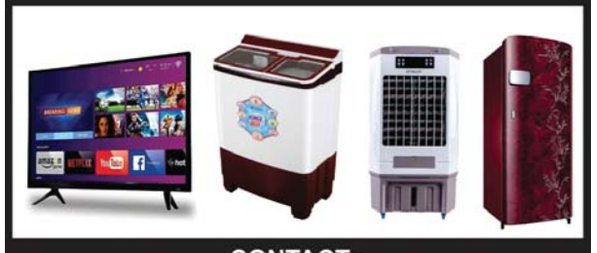

Since 1972
CROWN-TV®
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size
CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

खास खबर

'25 करोड़ बच्चों के सपनों का भारत' पर चित्रकला एवं भाषण स्पर्धा का आयोजन

रायपुर। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत '25 करोड़ बच्चों के सपनों का भारत' अभियान का आयोजन छत्तीसगढ़ के सभी आश्रम एवं छात्रावासों में किया जाएगा। अभियान के तहत विद्यार्थियों के बीच चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। बच्चों को अपने सपनों के भारत की कल्पना को चित्रों और विचारों के माध्यम से अभिव्यक्त करने का अवसर मिलेगा। अभियान का उद्देश्य विद्यार्थियों में रचनात्मकता, आत्मविश्वास और राष्ट्र निर्माण की भावना को प्रोत्साहित करना है।

लंबित पेंशन प्रकरणों का 30 सितंबर तक करें निराकरण

रायपुर। स्कूल शिक्षा विभाग ने लंबित पेंशन प्रकरणों के त्वरित निराकरण के साथ ही सेवानिवृत्त होने वाले शिक्षकों एवं कर्मचारियों की सेवा पुस्तिका और पासबुक समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। इस संबंध में स्कूल शिक्षा विभाग मंत्रालय द्वारा प्रदेश के समस्त जिला शिक्षा अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के लिए पत्र जारी किया गया है। सभी लंबित पेंशन प्रकरणों की व्यक्तिगत रूप से समीक्षा कर 30 सितंबर 2026 तक उनका निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही मार्च 2027 तक सेवानिवृत्त होने वाले शिक्षकों एवं कर्मचारियों की सेवा पुस्तिका तथा पासबुक को पहले से पूर्ण करने कहा गया है। सेवा पुस्तिका में वेतन निर्धारण की जांच एवं सत्यापन कोष एवं लेखा से करवाने के निर्देश भी दिए गए हैं, ताकि सेवानिवृत्ति के समय पेंशन एवं अन्य स्वत्वों का भुगतान सुनिश्चित हो सके।

सेवा संकल्प अभियान : सिकल सेल प्रभावित बच्चों व किशोरों को लगाया पीवीसी-13 टीका

श्रीकंचनपथ समाचार

जशपुर। सेवा संकल्प अभियान के तहत सिकल सेल रोग से प्रभावित बच्चों एवं किशोरों को गंभीर संक्रमण से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से जिला अस्पताल के मातृ-शिशु भवन, जशपुर में विशेष न्यूमोकोकल टीकाकरण अभियान आयोजित किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जी. एस. जात्रा के मार्गदर्शन में आयोजित इस अभियान में 5 से 18 वर्ष आयु वर्ग के सिकल सेल से प्रभावित 69 बच्चों एवं किशोरों को न्यूमोकोकल वैक्सीन लगाया गया।

सिकल सेल रोग से प्रभावित बच्चों में संक्रमण की जटिलताओं का खतरा अधिक रहता है। ऐसे में न्यूमोकोकल टीकाकरण गंभीर संक्रमण, निमोनिया तथा श्वसन संबंधी जटिलताओं से बचाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अभियान का उद्देश्य पात्र बच्चों एवं किशोरों को समय पर टीकाकरण उपलब्ध कराकर संक्रमण से सुरक्षा प्रदान करना रहा। अभियान के दौरान जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विपिन कुमार इंदवार, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. गौरव सिंह, जिला सिकल सेल नोडल अधिकारी डॉ. ममता सिंह एवं सहायक

नोडल अधिकारी देवेंद्र कुमार राठौर उपस्थित रहे।

अभियान के सफल संचालन में सिकल सेल संगवारी टीम, जशपुर का विशेष सहयोग रहा। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने सिकल सेल से प्रभावित बच्चों एवं उनके परिजनों को टीकाकरण के महत्व की जानकारी दी। साथ ही पात्र बच्चों एवं किशोरों का निर्धारित समय पर टीकाकरण कराने तथा संक्रमण से बचाव के लिए आवश्यक सावधानियां बरतने की अपील की गई।

न्यूमोकोकल टीका शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है ताकि वह स्ट्रेप्टोकोकस निमोनिया बैक्टीरिया से लड़ सके। इसे 5 वर्ष से कम उम्र के शिशु और छोटे बच्चों को लगाया जाता है। इसके साथ ही इसे 65 वर्ष या उससे अधिक आयु के वयस्कों को गंभीर बीमारियों से बचाने के लिए लगाया जाता है। इस टीके से शरीर की रोगप्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है जिससे व्यक्ति का शरीर गंभीर संक्रमणों से लड़ने के लिए तैयार हो जाता है। इसे कमजोर इम्युनिटी वाले लोगों को भी लगाया जाता है। न्यूमोकोकल टीका निमोनिया, कान के संक्रमण, साइनसाइटिस और मस्तिष्क ज्वर से सुरक्षा प्रदान करता है।

सेवा संकल्प : पोषण पुनर्वास योजना से ओमेश हुआ कुपोषण मुक्त, स्वस्थ होकर लौटा घर

श्रीकंचनपथ समाचार

गरियाबंद। ग्राम दादरगांव निवासी डेढ़ वर्षीय ओमेश गंभीर कुपोषण के साथ जिला चिकित्सालय गरियाबंद स्थित पोषण पुनर्वास केंद्र पहुंचा था। उपचार और नियमित देखभाल के बाद अब वह स्वस्थ होकर अपने घर लौट चुका हैं।

भर्ती के समय ओमेश का वजन महज 5.1 किलोग्राम था। वह चलने-फिरने में असमर्थ था और निमोनिया, बुखार, सर्दी तथा कान के संक्रमण से पीड़ित था। चिकित्सकीय जांच के बाद उसे पोषक आहार, आवश्यक दवाइयां और विशेष देखभाल उपलब्ध कराई गई। 16 दिनों के उपचार के बाद उसका वजन बढ़कर 6.40 किलोग्राम हो गया। स्वास्थ्य में सुधार के साथ वह अब चलने-फिरने और मुस्कुराने लगा है। आवश्यक दवाइयों और देखभाल संबंधी सलाह के साथ उसे केंद्र से छुट्टी दी गई।

पोषण पुनर्वास केंद्र में ओमेश के उपचार के साथ उसकी मां सुरेखा को भी बच्चे के खान-पान, स्वच्छता, देखभाल और पोषण संबंधी जरूरी जानकारी दी गई। केंद्र में निर्धारित अवधि तक रहने पर उन्हें प्रतिदिन 150 रुपये की दर से कुल 2 हजार 250 रुपये की सहायता राशि बैंक खाते के माध्यम से प्रदान की गई।

गंभीर कुपोषण से बाहर निकले 3,876 बच्चे

जिला चिकित्सालय स्थित पोषण पुनर्वास केंद्र में अब तक 3 हजार 876 बच्चों को भर्ती कर उपचार, पोषक आहार और विशेष देखभाल के माध्यम से कुपोषण से मुक्त किया जा चुका है। अप्रैल से अगस्त 2026 तक केंद्र की बिस्तर अधिभोग दर 164 प्रतिशत तथा प्राप्तांक दर 95 प्रतिशत रही है। केंद्र लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त करता रहा है।

बच्चों के साथ उनकी माताओं के स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता और देखभाल पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है। ओमेश की स्वस्थ होकर घर वापसी सेवा, संवेदना और समर्पित देखभाल की ऐसी कहानी है, जो पोषण माह के संदेश को जन-जन तक पहुंचाती है।

गंभीर कुपोषण की स्थिति से स्वस्थ जीवन की ओर बढ़े ओमेश की मुस्कान यह संदेश देती है कि समय पर पहचान, उपचार, पौष्टिक आहार और माताओं को सही जानकारी देकर बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य की मजबूत नींव रखी जा सकती है।

पोषण पुनर्वास केंद्र के संचालन में सिविल सर्जन डॉ. वाय.के. ध्रुव, नोडल अधिकारी डॉ. अंकुश वर्मा, अस्पताल प्रबंधक डॉ. शंकर पटेल सहित आहार प्रदर्शनकर्ता अनीस अख्तर, स्टाफ नर्स डिगेश्वरी निषाद, खिलेश्वरी कंवर, मुनमुन देवांगन तथा रसोइया लक्ष्मी यादव की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

नितेश ने कैंसर को दी मात : आयुष्मान योजना बनी सहारा

श्रीकंचनपथ समाचार

बस्तर। जिले के तोकापाल विकासखंड के ग्राम करंजी निवासी 27 वर्षीय नितेश कश्यप के लिए आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना जीवन में नई उम्मीद लेकर आई। लंबे समय से पेट दर्द की असहनीय पीड़ा झेल रहे नितेश जब गांव के आयुष्मान आरोग्य मंदिर पहुंचे, तो उन्हें प्राथमिक उपचार और दवाइयां दी गईं। दवाइयों से अपेक्षित राहत नहीं मिलने पर दोबारा स्वास्थ्य केंद्र पहुंचने पर वहां पदस्थ कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर प्रीति बघेल ने उनकी स्थिति की गंभीरता को समझते हुए

तत्काल उन्हें महारानी जिला अस्पताल, जगदलपुर रेफर किया।

महारानी जिला अस्पताल में खून की जांच, अल्ट्रासाउंड और सीटी स्कैन में उनके लिवर कैंसर से पीड़ित होने की पुष्टि हुई। परिवार चिंतित हो गया, लेकिन चिकित्सकों ने उन्हें उपचार की पूरी प्रक्रिया समझाते हुए आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत उपलब्ध नि:शुल्क उपचार सुविधा का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया।

आयुष्मान भारत योजना के तहत उपलब्ध पांच लाख रुपये तक के कैशलेस उपचार की सुविधा ने नितेश और उनके परिवार को बड़ी आर्थिक चिंता से राहत दी। योजना के माध्यम से उनके जटिल उपचार और ऑपरेशन की प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी की गई। उपचार के बाद नितेश स्वस्थ होकर अपने सामान्य जीवन की ओर लौट रहे हैं।

आयुष्मान कार्ड से शिशु खलखो को इलाज खर्च से मिली राहत

सरगुजा। बतौली विकासखंड की ग्राम पंचायत घोघरा निवासी श्रीमती शिशु खलखो के लिए आयुष्मान कार्ड स्वास्थ्य सुरक्षा का माध्यम बना। श्रीमती शिशु खलखो ने बताया कि सुशासन तिहार के दौरान उनका आयुष्मान कार्ड बना। आयुष्मान कार्ड से गंभीर बीमारी या आकस्मिक स्वास्थ्य जरूरत के समय परिवार पर पड़ने वाले आर्थिक दबाव को कम करने में मदद मिलती है। सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से शासन की योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों की कहानियां जन-जन तक पहुंचाई जा रही हैं। जब जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ जरूरतमंद और पात्र परिवारों तक पहुंचता है, तो स्वास्थ्य जैसी महत्वपूर्ण आवश्यकता के समय उन्हें उपचार के साथ आर्थिक सुरक्षा का भी संबल मिलता है।

सेवा की कहानी : पीएम जन मन से कच्चा मकान हो गया पक्का

श्रीकंचनपथ समाचार

चिरमिरी। सेवा संकल्प अभियान के तहत मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में जनकल्याणकारी योजनाओं से आमजन के जीवन में आए बदलाव की कहानियां सामने आ रही हैं। ग्राम पंचायत बुंदेली के बैगापारा निवासी राम, जो बैगा जनजाति से आते हैं, के जीवन में प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाभियान (पीएम जन मन) के माध्यम से सकारात्मक बदलाव आया है। योजना के अंतर्गत पक्का आवास मिलने से उनके परिवार में खुशी का माहौल है और वर्षों से चली आ रही सुरक्षित घर की चिंता दूर हुई है।

राम बताते हैं कि पहले उनका परिवार कच्चे मकान में रहता था। मकान की मजबूती और सुरक्षा को लेकर हमेशा चिंता बनी रहती थी। विशेषकर बारिश के दिनों में घर की स्थिति खराब होने से परिवार की परेशानियां बढ़ जाती थीं। ऐसे में पीएम जनमन योजना के माध्यम से मिला पक्का आवास उनके परिवार के लिए बड़ी राहत लेकर आया। राम खुशी जाहिर करते हुए कहते हैं, हमारा परिवार बहुत खुश है। सुरक्षित घर मिलने से हमारी बड़ी चिंता दूर हुई है। इसके लिए मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद देता हूं।

प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम जनमन) के माध्यम से विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों के परिवारों तक आवास सहित विभिन्न बुनियादी सुविधाओं का लाभ पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य ऐसे परिवारों को आवश्यक सुविधाओं से जोड़ते हुए उनके जीवन स्तर में सुधार लाना है।

जिले में संचालित 'सेवा संकल्प अभियान' के माध्यम से शासकीय योजनाओं से लाभान्वित परिवारों के अनुभव और उनके जीवन में आए बदलावों को सामने लाया जा रहा है। राम की कहानी भी इसी बदलाव की एक तस्वीर है-जहां कभी कच्चे मकान की चिंता थी, वहीं आज पक्की छत के नीचे सुरक्षित भविष्य की उम्मीद है। योजना के माध्यम से मिला आवास राम के परिवार के लिए सुविधा के साथ-साथ सुरक्षा, सम्मान और स्थायित्व का आधार बना है।

सेवा संकल्प : पाठक परिवार का पक्के मकान का सपना हुआ पूरा

कोरबा। शहर के वार्ड क्रमांक-19, पथर्रीपारा के सनातन प्रसाद पाठक के लिए पक्का मकान केवल एक निर्माण नहीं, बल्कि परिवार के सुरक्षित और सुखद जीवन की नई शुरुआत है। ठेका मजदूर श्री पाठक पहले परिवार के साथ कच्चे मकान में रहते थे। बरसात उनके लिए चिंता लेकर आती थी। छत से पानी टपकता था। दीवारों और फर्श में सीलन आ जाती थी। सांप-बिच्छुओं का डर बना रहता था। सीमित आमदनी में बार-बार मकान की मरम्मत कराना भी आसान नहीं था। योजना का लाभ मिलने के बाद यह सपना हकीकत में बदल गया। श्री पाठक प्रधानमंत्री श्री मोदी और मुख्यमंत्री श्री साय का आभार मानते हैं।

पीएम जन मन ने बदली मोहन की जिंदगी, मिला पक्का आशियाना

श्रीकंचनपथ समाचार

बुंदेली। कभी बारिश की बूंदों के बीच कच्ची छत को निहारते हुए परिवार की सुरक्षा की चिंता, तो कभी मौसम बदलने पर घर की मजबूती को लेकर डर ग्राम पंचायत बुंदेली के बैगापारा निवासी मोहन, जो बैगा जनजाति से आते हैं, के लिए सुरक्षित घर लंबे समय से एक सपना था। आज सपना हकीकत बन चुका है। प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाभियान (पीएम जन मन) के तहत पक्का आवास मिलने से मोहन का परिवार अब सुकून की जिंदगी जी रहा है। यह बदलाव केवल एक घर मिलने की कहानी नहीं, बल्कि सेवा संकल्प के माध्यम से जरूरतमंद परिवार तक पहुंची शासन की संवेदनशील पहल और उसके जीवन में आए बदलाव की कहानी है। मोहन बताते हैं कि उनका

परिवार पहले कच्चे मकान में रहता था। सीमित आर्थिक संसाधनों के कारण पक्का मकान बनाना उनके लिए आसान नहीं था। ऐसे में पीएम जनमन योजना उनके लिए उम्मीद लेकर आई।

नया घर मिलने के बाद मोहन और उनका परिवार बेहद खुश है। उनके लिए यह सिर्फ रहने की जगह नहीं, बल्कि जीवन में आए बदलाव का एहसास है।

पीएम जनमन के माध्यम से विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों के परिवारों तक आवास सहित पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली और आजीविका जैसी बुनियादी सुविधाएं पहुंचाने के प्रयास किए जा रहे हैं। इस पहल का उद्देश्य ऐसे परिवारों को उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप मूलभूत सुविधाओं से जोड़ते हुए उनके जीवन स्तर में सुधार लाना है।

सेवा संकल्प के तहत खपरी स्कूल में रचनात्मक गतिविधियां आयोजित

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मंत्री दयाल दास बघेल के निर्देशानुसार 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत राजधानी रायपुर के शासकीय प्राथमिक शाला खपरी में प्रेरणादायी कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रभारी के रूप में रामसागर साहू ने सहभागिता की और विद्यार्थियों द्वारा आयोजित विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों में उनका उत्साहवर्धन किया।

विद्यार्थियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जीवन, जनसेवा एवं राष्ट्रसेवा से जुड़े विषयों पर आकर्षक ड्राइंग तैयार की। साथ ही श्री मोदी के जीवन से प्रेरित सामान्य ज्ञान, प्रेरणादायी कहानियां एवं कविताएं प्रस्तुत कीं। बच्चों की रचनात्मक प्रस्तुतियों ने उपस्थित अतिथियों एवं ग्रामीणों का ध्यान आकर्षित किया।

श्री रामसागर साहू ने विद्यार्थियों की प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि बच्चों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के अवसर मिलने से उनमें आत्मविश्वास और रचनात्मकता का विकास होता है। उन्होंने विद्यार्थियों को मेहनत, अनुशासन, सेवा भावना और राष्ट्रहित के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया। उत्कृष्ट ड्राइंग, सामान्य ज्ञान एवं अन्य प्रस्तुतियों के लिए विद्यार्थियों को प्रोत्साहन स्वरूप पुरस्कार प्रदान किए गए।

संकल्प के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं खेल - साव

- विद्याभारती मध्यक्षेत्र क्षेत्रीय कबड्डी प्रतियोगिता के समापन समारोह में शामिल हुए उप मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। उप मुख्यमंत्री अरुण साव चांपा के सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आयोजित विद्याभारती मध्यक्षेत्र क्षेत्रीय कबड्डी खेलकूद प्रतियोगिता-2026 के समापन समारोह में शामिल हुए। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। समापन कार्यक्रम में विजेता टीम को मोमेन्टो, प्रशस्ति पत्र और मेडल देकर सम्मानित किया गया। सांसद कमलेश जांगड़े भी समापन कार्यक्रम में शामिल हुईं।

श्री साव ने कहा कि विद्या भारती विद्यार्थियों और युवाओं के जीवन को अनुशासन तथा संस्कारों से जोड़ते हुए उन्हें अपने लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित कर रही है। खेल में कोई जीतता है तो कोई हारता है, लेकिन सीखते सभी हैं। खेल हमें अच्छा स्वास्थ्य, अनुशासन, आत्मविश्वास और ऊर्जा प्रदान करता है तथा लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। एक अच्छा खिलाड़ी अनुशासित जीवन जीता है और ऊर्जा से भरपूर रहता है।

श्री साव ने कहा कि जब कोई बच्चा छोटा होता है और चलने का प्रयास करता है, तो वह कई बार गिरता है, लेकिन हर बार उठकर दोबारा चलने का प्रयास करता है। अंतत: वही बच्चा चलना और दौड़ना सीख जाता है। इसी प्रकार जीवन में बार-बार असफलता मिलने पर निराश होने के बजाय उससे सीख लेकर पुन: प्रयास करना चाहिए। मन, समर्पण और संकल्प के साथ किए गए प्रयास से सफलता प्राप्त की जा सकती है।

सांसद कमलेश जांगड़े ने कहा कि सरस्वती शिशु मंदिर के विद्यालयों में विद्यार्थियों को अनुशासन और शिष्टाचार की शिक्षा दी जाती है, जो उनके जीवन में एक अच्छा इंसान बनने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। सरस्वती शिशु मंदिर के विद्यार्थी शिक्षा के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ रहे हैं।

पूर्व संसदीय सचिव अंबेश जांगड़े, पूर्व सांसद कमला देवी पाटले, जिला पंचायत की अध्यक्ष सत्यलता आनंद मिरी, नगर पालिका चांपा के अध्यक्ष प्रदीप नामदेव, नगर पालिका जांजगीर-नैला की अध्यक्ष श्रीमती रेखा देवा गढ़ेवाल, जिला पंचायत के सदस्य राजकुमार साहू, आदि मौजूद थे।

सेवा संकल्प : जंक फूड पर पैसे खर्च न कर परोसें पोषण की थाली

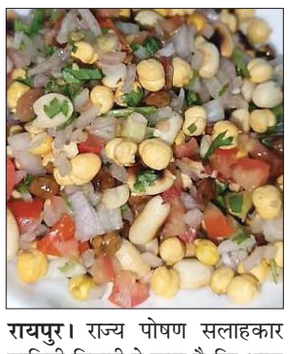

रायपुर। राज्य पोषण सलाहकार यामिनी तिवारी ने कहा है कि आज चिप्स, नमकीन, क्रीम बिस्कुट, चॉकलेट और मीठे पेय बच्चों की पसंद बनते जा रहे हैं। एक दिन का 20-30 रूपये का खर्च छोटा लग सकता है, लेकिन यही राशि महीने में 600-900 रूपये तक पहुंच सकती है। यदि इसी पैसे को सोच-समझकर खर्च किया जाए तो उपलब्धता के अनुसार भुना चना, मूंगफली, केला, मौसमी फल, पोहा, उपमा, दूध या घर के बने नाश्ते जैसे विकल्प बच्चों के भोजन में शामिल किए जा सकते हैं। इसलिए सभी को पोषण का संकल्प लेना चाहिए।

बच्चों की पसंद एक दिन में नहीं बदलती। इसलिए धीरे-धीरे विकल्प बदलना बेहतर है। चिप्स की जगह भुना चना-मूंगफली, पैकेट नमकीन की जगह घर का पोहा या चिवड़ा, क्रीम बिस्कुट की जगह केला-चना, मीठे पेय की जगह दूध या छाछ और इंस्टेंट नूडल्स की जगह सब्जियों वाला पोहा या उपमा दिया जा सकता है।

चना, मूंगफली, दालें, सोयाबीन, रागी एवं अन्य मोटे अनाज, हरी सब्जियां, मौसमी फल, दूध, दही और अंडा जैसे खाद्य पदार्थ कम खर्च में भोजन को अधिक विविध और पौष्टिक बनाने में मदद कर सकते हैं।

गंजेपन से मुक्ति
मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131
अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

पलक तिवारी के रॉयल एथनिक लुक ने मचाई सनसनी, ऑलिव ग्रीन आउटफिट में ढाया कहर

बॉलीवुड एक्ट्रेस पलक तिवारी अपने कमाल के स्टाइल स्टेटमेंट और फैशन सेंस से अक्सर फैंस को अपना दीवाना बनाती रहती हैं। सोशल मीडिया पर उनकी तगड़ी फैन फॉलोइंग है, और जब भी वह अपनी नई तस्वीरें पोस्ट करती हैं, तो वे देखते ही देखते वायरल हो जाती हैं।

हाल ही में पलक तिवारी ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल से एक बेहद शानदार और रॉयल फोटोशूट की तस्वीरें साझा की हैं, जिनमें उनका ग्लैमरस और एथनिक लुक इंटरनेट का तापमान बढ़ा रहा है।

तस्वीरों में पलक तिवारी ने ऑलिव ग्रीन और पेस्टल टोन का आउटफिट पहना हुआ है। इस ड्रेस का टॉप पार्ट यानी चोली एरिया बेहद खास है। चोली पर जटिल और बारीक मल्टीकलर रेशम की कड़ाई, सीक्विन और मिरर वर्क किया गया है, जो इसमें एक हेरिटेज लुक जोड़ता है।

आउटफिट की स्कर्ट में ट्रेडिशनल बनारसी प्रिंट्स, जिग-जैग पैटर्न और गोटा पट्टी का बारीक काम देखा जा सकता है। ड्रेस की डीप यू-शेप नेकलाइन पलक के इस पारंपरिक पहनावे में बोल्ड और मॉडर्न टच जोड़ रही है। यह एथनिक और कंटेंपरेरी फैशन का एक बेहतरीन कॉम्बिनेशन है।

लुक को कम्पलीट करने के लिए पलक ने अपने बालों को सॉफ्ट वेव्स में खुला रखा है। मिडिल पार्टेड हेयर स्टाइल के साथ बालों में हल्का रेडिश-ब्राउन हाईलाइट्स का टच उनके चेहरे के फीचर्स को बखूबी उभार रहा है।

मेकअप की बात करें तो पलक का ग्लोइंग और न्यूड मेकअप लुक उन पर बेहद फब रहा है। सॉफ्ट स्मोकी आईज, डिफाइंड आइब्रो, फ्लॉलेस बेस, पिंक ब्लश और न्यूड ग्लॉसी लिपस्टिक उनके चेहरे की खूबसूरती में चार चांद लगा रहे हैं।

तस्वीरों में पलक तिवारी का आत्मविश्वास साफ झलक रहा है। कभी वह दीवार का सहारा लेकर रॉयल पोज दे रही हैं, तो कभी अपने हाथों को बालों पर रखकर कैमरे की ओर कातिलाना नजरों से देख रही हैं।

ये प्रेम मोल लियाः सूरज बड़जात्या की फिल्म के गाने का दर्शकों पर जादू

सूरज बड़जात्या की आगामी फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' का टाइटल ट्रैक रिलीज होने के बाद खूब तारीफें बटोर रहा है। इस गाने को देखकर ही लोगों ने फिल्में देखने का मन बना लिया है। क्या बात दर्शकों को सबसे खास लगी?

पारिवारिक फिल्में बनाने के लिए मशहूर सूरज बड़जात्या नई फिल्म को लेकर चर्चा में हैं। उनकी आगामी फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' है। इसमें आयुष्मान खुराना और शरवरी लीड रोल में नजर आएंगे।

सूरज की फिल्मों में परिवार, परंपरा और इमोशंस होते हैं। नई फिल्म में भी दर्शक ऐसी उम्मीद कर सकते हैं। फिलहाल इसका टाइटल ट्रैक रिलीज हो गया है और इसने महफिल लूट ली है।

गाने में दिखी रीति-रिवाज, छठ पूजा और प्रेम की झलक

'ये प्रेम मोल लिया' के टाइटल ट्रैक में भव्य शादी दिखाई गई है। शादी की रस्मों और परिवार के प्यार ने इसमें चार चांद लगा दिए हैं। दूसरी, तरफ इसमें रीति-रिवाजों की भी वाइब है। गाने में त्योहार के पलों की झलक दिखाई गई है। शरवरी और आयुष्मान खुराना को छठ पर्व मनाते दिखाया गया है। दोनों घाट पर जाकर सूर्य को अर्घ्य दे रहे हैं।

गाने में क्या-क्या दिखा खास?

'ये प्रेम मोल लिया' का टाइटल ट्रैक सूरज बड़जात्या की परिवार-केंद्रित दुनिया की पूरी तस्वीर पेश करता है। बॉलीवुड के किसी बड़े और भव्य वेडिंग सॉन्ग में छठ पूजा को जगह मिलते देखना वाकई दिलचस्प है। 'द वन' के बाद फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' ऐसी दूसरी हालिया हिंदी फिल्म है, जिसने छठ पर्व को अपनी कहानी का हिस्सा बनाया है। बता दें कि फिल्म 'ये प्रेम लिया मोल' का निर्देशन सूरज बड़जात्या ने किया है। इस फिल्म में हर वह तत्व मौजूद है, जिसकी उम्मीद आमतौर पर राजश्री प्रोडक्शन से की जाती है। परिवार, रोमांस, रीति-रिवाज और ढेर सारे रंग-बिरंगे नजारे। यही वजह है कि फिल्म का यह गाना खूब ट्रेंड भी कर रहा है।

इस गाने को हिमेश रेशमिया ने कंपोज किया है। कुमार ने गाना लिखा है। इस गाने को श्रेया घोषाल और निहाल टौरो ने गाया है।

इस फिल्म से राजश्री का मशहूर किरदार 'प्रेम' 12 साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी कर रहा है। आयुष्मान खुराना पहली बार यह रोल निभा रहे हैं। वहीं, शरवरी पहली बार उनके साथ स्क्रीन शेयर कर रही हैं।

फिल्म की कास्ट में अनुपम खेर और अन्य कलाकार भी शामिल हैं।

यह फिल्म 27 नवंबर 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

डस्टबिन मीडियम बयान से असहमत दिखीं आशा नेगी, टीवी को बताया अपनी सफलता की वजह

टेलीविजन की जानी-मानी एक्ट्रेस आशा नेगी ने एक्टर रोहित रॉय के उस बयान पर जवाब दिया है, जिसमें उन्होंने टीवी को डस्टबिन मीडियम कहा था। आशा नेगी ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि रोहित ने किस इरादे से ऐसा कहा या किस तरह की निराशा के चलते उन्होंने ऐसा बयान दिया।

दरअसल, अभिनेता रोहित रॉय ने छोटे पर्दे को डस्टबिन मीडियम बताया था और कहा था कि फिल्म स्टार्स में एक अलग तरह का स्टाइल और क्लास होता है जो टीवी एक्टर्स में नहीं होता। आशा नेगी ने कहा कि टीवी ने ही उन्हें पहचान दी है और आज वह जिस मुकाम पर हैं, वह टेलीविजन की वजह से ही है।

मुझे नहीं पता कि इसके पीछे उनका इरादा क्या था। लोग किस दौर से गुजरते हैं, उन्हें किस तरह की निराशा हुई है, उन्होंने जो कहा उस पर मैं टिप्पणी नहीं कर सकती। हां आज मैं जो कुछ भी हूं, वो टीवी की वजह से हूं, जिसके लिए मैं शुक्रगुजार हूं। एक्ट्रेस आशा नेगी ने अंकिता लोखंडे और दिवंगत स्टार सुशांत सिंह राजपूत स्टारर शो पवित्र रिश्ता के जरिए पहचान बनाई थी। आशा ने कहा, मेरे लिए तो टेलीविजन ने ही मुझे सब कुछ दिया है।

टेलीविजन की वजह से ही मैं घर-घर में पहचानी गई और आज भी लोग मुझे पवित्र रिश्ता में मेरे किरदार पूर्वी के नाम से बुलाते हैं। अभिनेत्री आशा नेगी इस समय लेटेस्ट हॉरर-कॉमेडी, एडवेंचर और मिस्ट्री वेब सीरीज अली बाबा और 40 भूत में नजर आ रही हैं। शो में अली के रोल में आशा नेगी और बाबा के रोल में विशाल वशिष्ठ हैं।

द पैराडाइजः सेंसर बोर्ड से मिला 'ए' सर्टिफिकेट बॉक्स ऑफिस पर कमा सकती है इतने करोड

'द पैराडाइज' को सेंसर बोर्ड से सर्टिफिकेट मिल चुका है। इसके साथ ही फिल्म ने अपनी एडवांस बुकिंग में ही कमाई करना शुरू कर दिया है। फिल्म ने अपनी रिलीज से पहले ही सिनेमाघरों में माहौल बनाना शुरू पर दिया है। जानें क्या है बुकिंग का गणित?

फिल्म 'द पैराडाइज' को सीबीएफसी से हरी झंड़ी मिल चुकी है। फिल्म जल्द ही सिनेमाघरों मे रिलीज होने वाली है। इससे पहले ही फिल्म की प्री बुकिंग शुरू हो चुकी है।

सीबीएफसी से मिला सर्टिफिकेट

फिल्म 'द पैराडाइज' को अपनी रिलीज से 3 दिन पहले सीबीएफसी से सर्टिफेकेट मिला। सेंसर बोर्ड ने फिल्म को 'ए' सर्टिफिकेट दिया है। 'ए' सर्टिफिकेट का मतलब है कि 'द पैराडाइज' सिनेमाघरों में केवल वयस्क दर्शकों के लिए ही प्रदर्शित की जाएगी। बताया जा रहा है कि फिल्म की अवधि 2 घंटे 49 मिनट है। 'ए' सर्टिफिकेट के बावजूद, नानी के संदेश से संकेत मिलता है कि उनका मानना है कि फिल्म की अपील वयस्क श्रेणी से परे भी है।

'द पैराडाइज' की नजरें की ओपनिंग पर

'द पैराडाइज' अभिनेता की बहुप्रतिक्षित फिल्म है। फिल्म का नानी को फैंस को बेसब्री से इंतजार है। सैकनिल्क के मुताबिक यह फिल्म अपने ओपनिंग डे में 50 करोड़ रुपये का कारोबार कर सकती है। बॉक्स ऑफिसों पर एडवांस

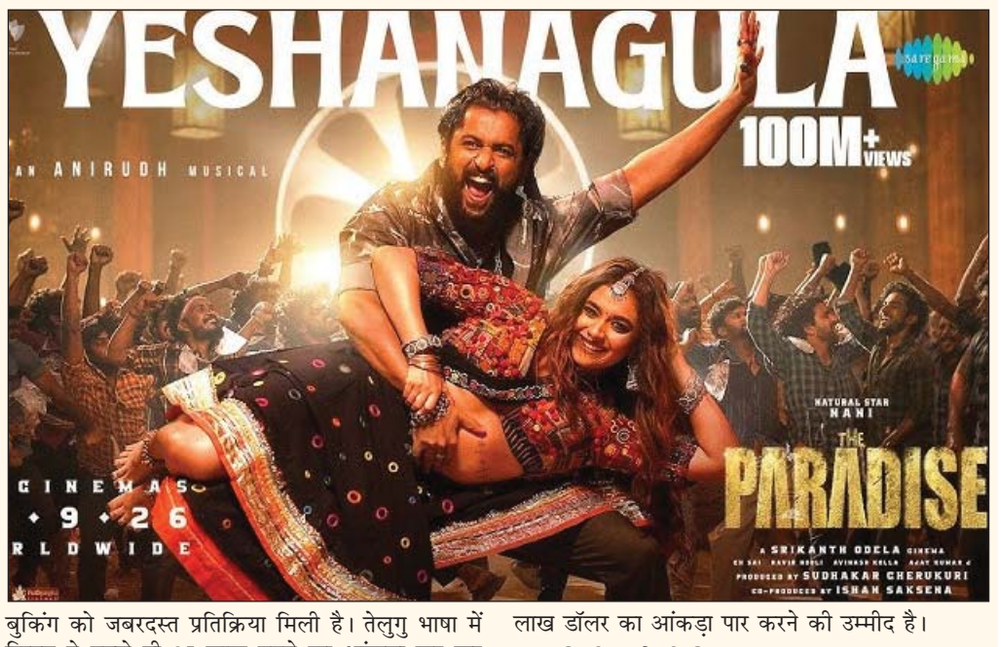

बुकिंग को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। तेलुगु भाषा में फिल्म ने पहले ही 35 लाख रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। इस वजह से रिलीज से पहले के आखिरी 48 घंटों में बुकिंग में और तेजी आने की आशंका के साथ, फिल्म के पहले दिन के प्रदर्शन को लेकर व्यापारिक उम्मीदें बढ़ गई हैं। फिल्म 'द पैराडाइज' ने भारत ही नहीं अमेरिका में भी शानदार प्रदर्शन किया।

अपनी एडवांस बुकिंग में 650,000 डॉलर की कमाई की है। पूरी तरह बुकिंग शुरु करने होने पर फिल्म के 10 लाख डॉलर का आंकड़ा पार करने की उम्मीद है।

कब रिलीज होगी फिल्म?

'द पैराडाइज' श्रीकांत ओडेला की एक और महत्वाकांक्षी फिल्म है। एसएलवी सिनेमाज के बैनर तले बनी 'द पैराडाइज' 24 सितंबर 2026 को बड़े पैमाने पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म हिंदी, तेलुगु, तमिल, इंग्लिश, स्पेनिश, बंगाली, कन्नड़ और मलयालम कुल आठ भाषाओं में आएगी। फिल्म की कास्ट में कई दिग्गज अभिनेता नजर आएंगे।

क्या एरोबिक्स से दिमाग की सेहत पर पड़ता है सकारात्मक प्रभाव? जानिए सही जानकारी

एरोबिक्स एक प्रकार की शारीरिक गतिविधि है, जो दिल और फेफड़ों की क्षमता को बढ़ाने में मदद करती है। यह एक्सरसाइज न केवल शारीरिक सेहत के लिए, बल्कि मानसिक सेहत के लिए भी फायदेमंद है। एरोबिक्स के दौरान शरीर में एंडोर्फिन नामक हार्मोन का स्तर बढ़ता है, जो तनाव को कम करता है और मन को खुश रखता है। आइए जानते हैं कि एरोबिक्स से दिमाग की सेहत पर क्या-क्या सकारात्मक प्रभाव पड़ते हैं।

तनाव को कम करने में है सहायक

एरोबिक्स करने से तनाव के हार्मोन का स्तर कम होता है, जिससे मन शांत रहता है। नियमित रूप से एरोबिक्स करने वाले लोग तनाव और चिंता से बेहतर तरीके से निपटते हैं।

इसके अलावा एरोबिक्स से दिमाग में खून का प्रवाह बढ़ता है, जिससे दिमाग को अधिक ऑक्सीजन मिलता है और वह बेहतर तरीके से काम करता है।

इस प्रकार एरोबिक्स न केवल शारीरिक, बल्कि मानसिक सेहत के लिए भी लाभकारी है।

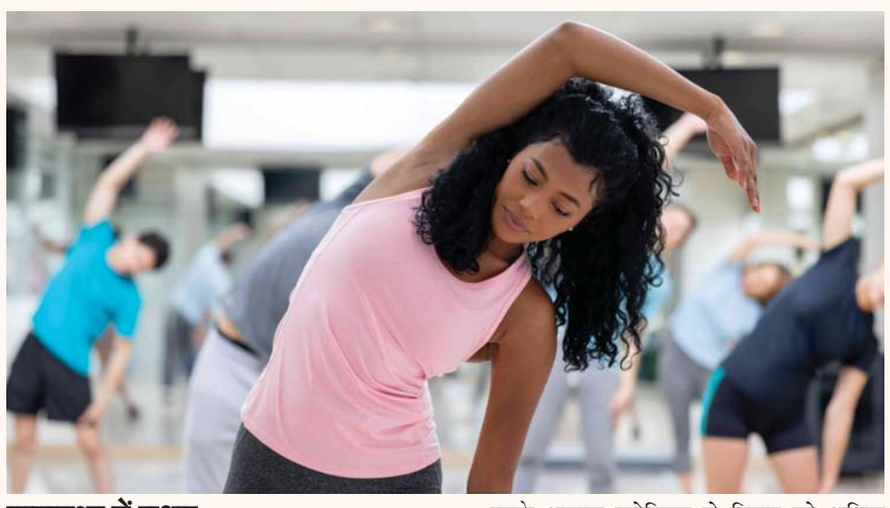

याददाश्त में सुधार

एरोबिक्स से याददाश्त भी बेहतर होती है। यह दिमाग के उस हिस्से को सक्रिय रखता है, जो याददाश्त के लिए जरूरी होता है।

नियमित एरोबिक्स करने से उम्र बढ़ने पर भी याददाश्त पर सकारात्मक असर पड़ता है और भूलने की बीमारी का खतरा कम होता है। एरोबिक्स दिमाग की कोशिकाओं को मजबूत करता है, जिससे याददाश्त में सुधार होता है।

इसके अलावा एरोबिक्स से दिमाग को अधिक ऑक्सीजन मिलती है, जो याददाश्त के लिए फायदेमंद है।

मनोदशा में सुधार

एरोबिक्स करने से मनोदशा में भी सुधार होता है। यह खुशी और संतोष का अनुभव कराता है, जिससे आपके मानसिक स्वास्थ्य पर अच्छा असर पड़ता है।

नियमित रूप से एरोबिक्स करने वाले लोग अधिक खुश और संतुष्ट महसूस करते हैं। इसके अलावा एरोबिक्स से दिमाग की कोशिकाओं को मजबूती मिलती है, जिससे मानसिक सेहत बेहतर होती है। इस प्रकार एरोबिक्स न केवल शारीरिक, बल्कि मानसिक सेहत के लिए भी लाभकारी है।

नींद की गुणवत्ता में सुधार

एरोबिक्स करने से नींद की गुणवत्ता भी बेहतर होती है। यह शरीर को थका देता है, जिससे नींद जल्दी आती है और गहरी होती है।

नियमित एरोबिक्स करने वाले लोग अधिक तरोताजा महसूस करते हैं। इसके अलावा एरोबिक्स से शरीर में एक खास हार्मोन का स्तर बढ़ता है, जो अच्छी नींद के लिए जरूरी होता है।

एरोबिक्स से दिमाग की कोशिकाओं को मजबूती मिलती है, जिससे मानसिक सेहत बेहतर होती है।

आत्मविश्वास बढ़ाने में है मददगार

एरोबिक्स करने से आत्मविश्वास भी बढ़ता है। जब हम नियमित रूप से किसी गतिविधि को करते रहते हैं तो उसमें हमारी महारत बढ़ती जाती है।

इससे हमारा आत्मविश्वास बढ़ता है और हम नई चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहते हैं। इस प्रकार एरोबिक्स न केवल शारीरिक, बल्कि मानसिक सेहत के लिए भी लाभकारी होता है।

इसे अपनी दिनचर्या में शामिल करके आप एक स्वस्थ जीवन जी सकते हैं।

आलिया भट्ट की 'डोंट बी शाय' का धमाकेदार गाना 'झूमो' जारी, गाने में दिखा पार्टी का रंग

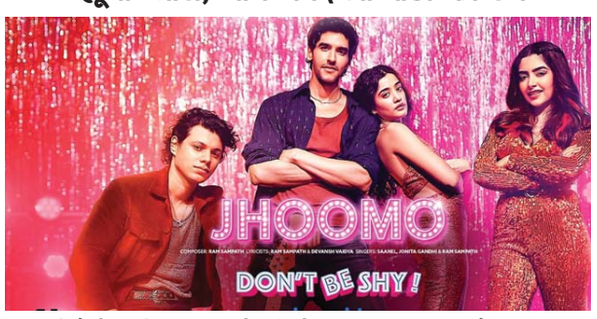

अभिनेत्री आलिया भट्ट की कंपनी इटरनल सनशाइन प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित फिल्म 'डोंट बी शाय' इन दिनों चर्चा में है। फिल्म का कुछ दिन पहले टीजर जारी किया गया था, जिसे दर्शकों की ओर से अच्छी प्रतिक्रिया मिली। अब निर्माताओं ने फिल्म का नया गाना 'झूमो' जारी किया है, जो अपने जोशीले संगीत और पार्टी के माहौल के कारण दर्शकों का ध्यान खींच रहा है। फिल्म के गाने 'झूमो' का निर्माण टी-सीरीज ने किया है। राम संपत ने गीत का संगीत तैयार किया है, जबकि इसके बोल उन्होंने देवांश वैद्य के साथ मिलकर लिखे हैं। गाने को साहेल और जोनिता गांधी ने अपनी आवाज दी है।

तेज-तर्रार संगीत और उत्साह से भरपूर अंदाज वाला यह गीत युवाओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। गाना जारी होने के बाद इसे यूट्यूब पर श्रोताओं की सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। फिल्म के निर्माताओं को उम्मीद है कि यह गीत दर्शकों के बीच फिल्म को लेकर उत्सुकता और बढ़ाएगा।

'डोंट बी शाय' की कहानी आज की पीढ़ी के चार युवाओं के इर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म में नए कलाकारों को प्रमुख भूमिकाएं दी गई हैं, जिससे यह युवा दर्शकों के लिए खास आकर्षण का केंद्र बन सकती है। टीजर के बाद अब गाने की रिलीज ने फिल्म को लेकर चर्चा और तेज कर दी है। आलिया भट्ट के इटरनल सनशाइन प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी यह फिल्म युवा विषयवस्तु और नए कलाकारों के साथ तैयार की गई है। फिल्म 25 सितंबर 2026 को अमेजन प्राइम वीडियो पर प्रदर्शित होगी। निर्माताओं ने फिल्म के प्रचार अभियान को गीतों और दृश्य सामग्री के जरिए आगे बढ़ाना शुरू कर दिया है।

खास-खबर

प्रधानमंत्री आवास योजना से रामप्रकाश के पक्के घर का सपना हुआ साकार

रायपुर। अपना घर हर परिवार के जीवन का सबसे बड़ा सपना होता है। एक ऐसा घर, जिसकी मजबूत दीवारों के बीच परिवार सुरक्षित रहे, बच्चे बेहतर भविष्य के सपने देखें और जीवन सम्मान एवं सुकून के साथ आगे बढ़े। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए यह सपना कई बार सीमित संसाधनों के कारण अधूरा रह जाता है। ऐसे परिवारों के सपनों को साकार करने में प्रधानमंत्री आवास योजना महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। गौरेला के लोहरा झोरकी निवासी रामप्रकाश की कहानी इसी बदलाव और उम्मीद की प्रेरक मिसाल है। रामप्रकाश का वर्षों से सपना था कि उनका भी अपना पक्का घर हो, जहां वे अपने परिवार के साथ सुरक्षित और सुख-शांति से जीवन व्यतीत कर सकें। आर्थिक परिस्थितियां अनुकूल नहीं होने के कारण उनके लिए पक्का मकान बनाना आसान नहीं था। सीमित आय और घरेलू जरूरतों के बीच अपने घर के निर्माण के लिए पर्याप्त संसाधन जुटाना उनके लिए बड़ी चुनौती थी। ऐसे समय में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) उनके जीवन में उम्मीद की नई किरण बनकर आई। योजना के अंतर्गत प्राप्त सहायता से उनके आवास निर्माण का कार्य प्रारंभ हुआ। धीरे-धीरे निर्माण कार्य आगे बढ़ा और वर्षों से देखा जा रहा उनका सपना आखिरकार हकीकत में बदल गया।

अंजली ने मशरूम की खेती से बनाई नई पहचान, बनीं प्रगतिशील महिला किसान

दुर्ग। बिहान (एनआरएलएम) और कृषि विभाग द्वारा आयोजित किसान गोष्ठियों एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों से जुड़कर ग्राम बरहापुर, जनपद पंचायत धमधा की महिला किसान अंजली धार्मिक ने खेती के क्षेत्र में नई पहचान बनाई है। परंपरागत खेती के साथ मशरूम उत्पादन को अपनाकर अंजली आज सफलतापूर्वक रसायन रहित मशरूम का उत्पादन कर रही हैं। अंजली के पास करीब 3 एकड़ कृषि भूमि है, जिसमें वे टमाटर, धान, चना, अरहर और तिवड़ा जैसी फसलों की खेती करती हैं। बिहान समूह से जुड़ने से पहले भी वे खेती करती थीं, लेकिन खेती में होने वाली लागत की तुलना में अपेक्षित लाभ नहीं मिल पाता था। इसी दौरान बिहान समूह और आत्मा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किसान गोष्ठी में अंजली ने भाग लिया। यहां उन्हें मशरूम की खेती की तकनीक और इसके लाभों के बारे में जानकारी मिली। प्रशिक्षण से प्रभावित होकर उन्होंने घर पर ही मशरूम उत्पादन शुरू करने का निर्णय लिया। आज अंजली सफलतापूर्वक रसायन रहित मशरूम का उत्पादन कर रही हैं। वे अपने उत्पाद को करीब 200 रुपये प्रति किलो की दर से बेच रही हैं। गुणवत्ता और रसायन रहित उत्पादन के कारण उनके मशरूम की मांग बनी हुई है और तैयार उत्पाद की बिक्री घर से ही व्यापारियों के माध्यम से कर रही है।

भोरमदेव कॉरिडोर के निर्माण में तेजी लाने दिए कड़े निर्देश

निर्माण कार्यों की धीमी प्रगति पर उप मुख्यमंत्री एवं पर्यटन मंत्री ने ठेकेदारों और निर्माण एजेंसियों के प्रति जताई नाराजगी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। स्वदेश दर्शन योजना के तहत लगभग 146 करोड़ रुपए की लागत से विकसित किए जा रहे भोरमदेव कॉरिडोर के सभी प्रोजेक्ट की प्रगति की आज उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा और पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने कबीरधाम के जिला पंचायत सभाकक्ष में समीक्षा की। समीक्षा के दौरान कई निर्माण कार्य अपेक्षा के अनुरूप गति से नहीं चलने पर दोनों मंत्रियों ने संबंधित ठेकेदारों और निर्माण एजेंसियों के प्रति कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने हर 15 दिन के लिए स्पष्ट कार्ययोजना तैयार कर निर्माण कार्यों में तेजी लाने और निर्धारित समय-सीमा में ठोस प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि भोरमदेव कॉरिडोर के निर्माण कार्यों में अपेक्षित गति नहीं होने पर अब जिम्मेदारी तय कर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि हर 15 दिन में कार्य की प्रगति निर्माण स्थल पर दिखाई देनी चाहिए। निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप प्रगति नहीं होने पर जिम्मेदार ठेकेदारों को कार्य से पृथक करने के साथ अनुबंध की शर्तों के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि भोरमदेव कॉरिडोर का निर्माण महत्वपूर्ण और दीर्घकालिक परियोजना है। ठेकेदार एजेंसियों की लापरवाही किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी। जिन कार्यों में अपेक्षित प्रगति नहीं होगी, वहां संबंधित ठेकेदार को कार्य से पृथक कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। आवश्यकता पड़ने पर अनुबंध की शर्तों के तहत ब्लैक लिस्ट सहित अन्य कार्रवाई भी सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने सभी प्रोजेक्ट के लिए 15-15 दिन की स्पष्ट कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि कार्ययोजना केवल कागजों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि निर्धारित अवधि के बाद निर्माण स्थल पर उसका परिणाम स्पष्ट रूप से दिखाई देना चाहिए। पर्याप्त मशीनरी, मानव संसाधन और आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराकर निर्माण कार्यों में तेजी लाई जाए।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि भोरमदेव क्षेत्र का विकास आने वाले कई वर्षों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर किया जा रहा है। इसलिए प्रत्येक निर्माण कार्य मजबूत, टिकाऊ और निर्धारित गुणवत्ता एवं तकनीकी मानकों के अनुरूप होना चाहिए। निर्माण की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। कार्य में किसी तरह की तकनीकी अथवा अन्य समस्या आने पर संबंधित अधिकारियों को तत्काल इसकी जानकारी दें, ताकि समय रहते उसका समाधान किया जा सके। इसलिए सभी संबंधित एजेंसियां पूरी गंभीरता और आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। आगामी भोरमदेव महोत्सव तक निर्माण कार्यों में स्पष्ट और दिखाई देने वाली प्रगति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने पीएमसी, ठेकेदारों और भोरमदेव विकास समिति के बीच निरंतर समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए। साथ ही पीएमसी की भूमिका एवं जिम्मेदारियों की समीक्षा कर तकनीकी निगरानी को और प्रभावी बनाने को कहा।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने भी भोरमदेव कॉरिडोर के निर्माण कार्यों की धीमी प्रगति पर कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि कई कार्यों के कार्यादेश जारी हुए 8 से 09 माह हो चुके हैं, इसके बावजूद निर्माण कार्य अपेक्षा के अनुरूप गति से नहीं चल रहे हैं। मंत्री श्री अग्रवाल ने सभी ठेकेदारों को पूर्ण कार्ययोजना प्रस्तुत करने तथा प्रत्येक 15 दिन में किए जाने वाले कार्यों का लक्ष्य निर्धारित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भोरमदेव महोत्सव से 10 दिन पहले तक निर्धारित कार्यों को पूरा करने की समय-सीमा तय की जाए। प्रत्येक 15 दिन में कार्यों की प्रगति की समीक्षा होगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप कार्य नहीं करने वाले ठेकेदार को कार्य से पृथक करने तथा अनुबंध की शर्तों के अनुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

पर्यटन मंत्री ने पीएमसी, भोरमदेव विकास समिति और संबंधित विभागों के साथ ठेकेदारों की स्थानीय टीम के नियमित समन्वय के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण स्थल पर ठेकेदार की ओर से ऐसा जिम्मेदार प्रतिनिधि अनिवार्य रूप से उपस्थित रहे, जो समिति एवं संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर ड्राइंग, डिजाइन और निर्माण से जुड़े विषयों पर तत्काल निर्णय ले सके। उन्होंने सिंचाई, लोक निर्माण विभाग सहित संबंधित अधिकारियों को नियमित रूप से निर्माण कार्यों का निरीक्षण करने और प्रगति की प्रभावी निगरानी करने के निर्देश दिए। पर्यटन मंत्री अग्रवाल ने निर्देश दिए कि भोरमदेव कॉरिडोर के ड्राइंग एवं डिजाइन में भोरमदेव मंदिर की ऐतिहासिक वास्तुकला, स्वरूप और रंगत का विशेष ध्यान रखा जाए।

केज कल्चर से बढ़ेगा मछली उत्पादन, बीमारी की त्वरित पहचान पर जोर

ICAR-CIFRI और मत्स्य विभाग की संयुक्त कार्यशाला में किसानों को मिला वैज्ञानिक एवं तकनीकी मार्गदर्शन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के जलाशयों में केज कल्चर (पिंजरा पालन) के माध्यम से मछली उत्पादन की संभावनाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मत्स्य पालन विभाग, छत्तीसगढ़ एवं **ICAR-CIFRI** बैरकपुर (कोलकाता) के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। 8 एवं 9 सितंबर को रायपुर स्थित मत्स्य पालन विभाग कार्यालय में आयोजित कार्यशाला में मछलियों में होने वाली बीमारियों की त्वरित पहचान, रोकथाम और आधुनिक प्रबंधन तकनीकों पर किसानों एवं अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया।

कार्यशाला में **ICAR-CIFRI** के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. असित कुमार बेरा एवं

श्रीमती सोहिनी चटर्जी ने केज कल्चर एवं तालाबों में मछलियों में होने वाले रोगों के लक्षण, बचाव तथा वैज्ञानिक उपचार की जानकारी दी। प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए 50-60 केज कल्चर किसानों, 50-60 पारंपरिक तालाब मत्स्य पालकों तथा मत्स्य विभाग के अधिकारियों ने सक्रिय सहभागिता की। कार्यशाला में फील्ड स्तर पर रोगों की त्वरित जांच, डायग्नोस्टिक सुविधाओं के विस्तार, मैदानी कर्मचारियों के प्रशिक्षण और जलाशयों एवं मछलियों के स्वास्थ्य संबंधी डेटाबेस तैयार करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर मंथन किया गया। एकीकृत प्रबंधन व्यवस्था को राज्य में मत्स्य उत्पादन बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया गया।

कार्यक्रम में संचालक मत्स्य पालन एन.एस. नाग, मछुआ कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष एवं राज्य मंत्री दर्जा आनंद निषाद, उपाध्यक्ष एवं राज्य मंत्री दर्जा डॉ. लखन लाल धीवर, उप-संचालक मत्स्य पालन प्रशिक्षण संस्थान बीना गड़पाले तथा सहायक मत्स्य अधिकारी विकास कुमार साहू सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यशाला के उपरांत 10 सितंबर को **ICAR-CIFRI** के वैज्ञानिक डॉ. असित कुमार बेरा एवं श्रीमती सोहिनी चटर्जी ने राज्य के जलाशयों का मैदानी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्थापित केज कल्चर की स्थिति का जायजा लिया तथा मौके पर ही मत्स्य पालक किसानों को मछलियों के स्वास्थ्य, रोग प्रबंधन एवं बेहतर उत्पादन के संबंध में व्यावहारिक सुझाव दिए।

राज्य में वैज्ञानिक तकनीकों के उपयोग से मत्स्य पालन को अधिक लाभकारी एवं व्यवस्थित बनाने की दिशा में यह पहल महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

नवाचार से समाधान और आइडिया से स्टार्टअप की ओर बढ़े विद्यार्थी

श्रीकंचनपथ समाचार

बीजापुर। विद्यार्थियों में नवाचार, उद्यमिता एवं स्टार्टअप की सोच विकसित करने और स्थानीय समस्याओं के समाधान पर आधारित नए विचारों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र, बीजापुर द्वारा धुरवाराव माड़िया शासकीय महाविद्यालय, भैरमगढ़ एवं शासकीय आईटीआई, भैरमगढ़ के सहयोग से सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत राष्ट्रीय इनोवेशन चैलेंज हेतु स्टार्टअप शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में महाविद्यालय एवं आईटीआई के विद्यार्थियों को राष्ट्रीय इनोवेशन चैलेंज में सहभागिता, स्टार्टअप आइडिया तैयार करने तथा नवीन विचारों को प्रोटोटाइप के रूप में विकसित करने की प्रक्रिया के संबंध में जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को नवाचार के माध्यम से स्थानीय स्तर की समस्याओं के व्यावहारिक समाधान तलाशने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

दौरान विद्यार्थियों को स्थानीय संसाधनों पर आधारित स्वरोजगार, उद्यमिता और नवाचार की संभावनाओं के बारे में मार्गदर्शन प्रदान किया गया। साथ ही अपने आसपास की आवश्यकताओं एवं समस्याओं को पहचानकर उनके समाधान के लिए नए और उपयोगी आइडिया विकसित करने पर जोर दिया गया।

मंत्री राजेश अग्रवाल ने कवर्धा में सिद्धेश्वर महादेव और संकट मोचन हनुमान मंदिर में की पूजा-अर्चना

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने आज कवर्धा के ऐतिहासिक रानी सागर तालाब परिसर स्थित आस्था के पावन केंद्र और कवर्धा राज परिवार न्यास द्वारा निर्मित श्री सिद्धेश्वर महादेव मंदिर एवं श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना एवं जलाभिषेक किया। उन्होंने भगवान श्री सिद्धेश्वर महादेव से समस्त प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि, अच्छे स्वास्थ्य और खुशहाली की मंगल कामना की।

इस अवसर पर मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ की पहचान केवल यहां की प्राकृतिक सुंदरता से ही नहीं, बल्कि इसकी समृद्ध धार्मिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत से भी है। भोरमदेव और कवर्धा क्षेत्र आस्था,

इतिहास और संस्कृति की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। हमारी सरकार का प्रयास है कि इन ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थलों का संरक्षण करते हुए इन्हें आधुनिक पर्यटन सुविधाओं से जोड़ा जाए, ताकि श्रद्धालुओं और पर्यटकों को बेहतर अनुभव मिल सके तथा स्थानीय स्तर पर रोजगार और आर्थिक गतिविधियों के नए अवसर भी सृजित हों। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की धरती आस्था और संस्कृति की विविध परंपराओं से समृद्ध है।

इंद्रावती टाइगर रिजर्व में फंदा निरोधक एवं बाघ निगरानी पर एक दिवसीय कार्यशाला

श्रीकंचनपथ समाचार

बीजापुर। वन्यजीव संरक्षण, अवैध फंदों की रोकथाम तथा बाघों की वैज्ञानिक एवं प्रभावी निगरानी को मजबूत करने के उद्देश्य से इंद्रावती टाइगर रिजर्व, बीजापुर में फंदा निरोधक एवं बाघ निगरानी विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला इंद्रावती टाइगर रिजर्व के क्षेत्रीय निदेशक उत्तम कुमार गुप्ता एवं उप निदेशक सुमेध संजय सुरवाडे के पर्यवेक्षण एवं मार्गदर्शन में आयोजित हुई।

कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य इंद्रावती टाइगर रिजर्व को अवैध फंदों से मुक्त बनाने की दिशा में वन क्षेत्रों में गश्त एवं खोज अभियान को अधिक प्रभावी और वैज्ञानिक बनाना रहा। प्रशिक्षण के दौरान अवैध फंदों की पहचान, संभावित फंदा प्रभावित क्षेत्रों का चिन्हांकन, फंदों के संकेतों की पहचान, खोज तकनीक, वन क्षेत्र में आवश्यक सावधानियों तथा मैदानी स्तर पर आंकड़ों के संकलन एवं अभिलेखीकरण की जानकारी दी गई।

कार्यशाला में बाघों की वैज्ञानिक निगरानी के लिए अपनाई जाने वाली विभिन्न विधियों पर भी प्रशिक्षण दिया गया। इसमें बाघों की जीवन-पद्धति, पदचिह्न एवं अन्य अप्रत्यक्ष संकेतों की पहचान, मल एवं खरोंच के निशान, शिकार किए गए वन्यजीवों के अवशेष, वन्यजीवों के आवागमन वाले मार्ग तथा कैमरा आधारित निगरानी जैसे महत्वपूर्ण विषयों को शामिल किया गया। प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि मैदानी निगरानी के दौरान प्राप्त पदचिह्न, मल, खरोंच, शिकार स्थल, कैमरा निगरानी तथा अन्य वन्यजीव संकेतों को व्यवस्थित रूप से दर्ज किया जाए, ताकि इन आंकड़ों का उपयोग दीर्घकालीन वन्यजीव संरक्षण, बाघों की निगरानी और प्रबंधन योजनाओं में किया जा सके। नोवा नेचर वेलफेयर सोसायटी की टीम ने दिया प्रशिक्षण कार्यशाला में तकनीकी एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण नोवा नेचर वेलफेयर सोसायटी की टीम द्वारा प्रदान किया गया। प्रशिक्षण दल में एम. सुरज, मोइज अहमद, सिद्धांत जैन एवं भूपेंद्र जगत शामिल रहे। प्रशिक्षण के दौरान सैद्धांतिक जानकारी के साथ मैदानी परिस्थितियों में फंदा निरोधक गश्त और बाघ निगरानी को सुरक्षित एवं व्यवस्थित तरीके से संचालित करने पर विशेष जोर दिया गया।करीब 100 वन अधिकारी-कर्मचारी हुए शामिल एक दिवसीय कार्यशाला में इंद्रावती टाइगर रिजर्व के विभिन्न क्षेत्रों से करीब 100 वन अधिकारी एवं मैदानी कर्मचारी शामिल हुए। इनमें वन क्षेत्र अधिकारी, उप वन क्षेत्र अधिकारी एवं वनरक्षक प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। वन विभाग की ओर से मनोज बघेल, अनुविभागीय अधिकारी वन, अनुविभागीय अधिकारी वन, भैरमगढ़ सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

सेवा संकल्प अभियान को जनभागीदारी का व्यापक अभियान बनाने के निर्देश

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में यहां मंत्रालय महानदी भवन से राज्य के सभी जिलों के कलेक्टरों से वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत संचालित गतिविधियों की समीक्षा की गई।

प्रदेश में सेवा संकल्प अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक संचालित किया जा रहा है। वीडियो कॉन्फ्रेंस में मुख्य सचिव ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान को केवल एक आयोजन के रूप में नहीं लेकर इसे जनभागीदारी और एक-दूसरे की मदद की संस्कृति को मजबूत करने के अवसर के रूप में लिया जाना चाहिए। उन्होंने कलेक्टरों एवं अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले में अभियान की गतिविधियों को प्रभावी ढंग से आयोजित करते हुए ज्यादा से ज्यादा लोगों, स्वयंसेवी संस्थाओं और सामाजिक संगठनों की भागीदारी सुनिश्चित की जाए।

मुख्य सचिव ने कलेक्टरों से कहा कि जिलों में प्रभारी मंत्री के मार्गदर्शन में ब्लाक एवं तहसील स्तर पर सेवा संकल्प अभियान के दौरान आयोजित होने वाले शिविरों में लोगों को भागीदार बनाकर उनकी समस्याओं का त्वरित निराकरण किया जाए। इस संबंध में माननीय मंत्रीगणों से आवश्यक बैठक एवं चर्चा सुनिश्चित करें। मुख्य सचिव ने कहा कि शिविरों में केन्द्र शासन की चिन्हित 26 प्रमुख योजनाओं को शामिल किया जाना है। इस संबंध में योजनाओं के हितग्राहियों की जानकारी अद्यतन कर ली जाए। मुख्य सचिव ने कलेक्टर्स को फसल गिरदावरी सर्वे, जल जीवन मिशन और स्वच्छ भारत मिशन के कार्यों के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। हरित छत्तीसगढ़ अभियान के अंतर्गत 'एक पेड़ मां के नाम' पहल के तहत स्थानीय प्रजातियों के 10 हजार पौधों का रोपण करने का लक्ष्य रखा गया है। मुख्य सचिव ने पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी गतिविधियों में व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सेवा संकल्प एवं दान उत्सव 23 से 25 सितम्बर तक प्रदेश के सभी जिलों के नगरीय निकायों में आयोजित होगा। इसी तैयारी के संबंध में कलेक्टरों से आवश्यक चर्चा की गई।

इसी प्रकार इस उत्सव का 2 से 8 अक्टूबर तक प्रदेश भर में उत्सव का भव्य आयोजन किया जाएगा। सेवा संकल्प एवं दान उत्सव के अंतर्गत विविध गतिविधियां आयोजित की जायेंगी। इसमें सेवा एवं स्वच्छता, विद्या दान एवं शिक्षा सहयोग, अन्न एवं वस्त्र दान, कौशल ज्ञान दान एवं प्रशिक्षण की गतिविधियां बड़े स्तर पर की जायेंगी। जल संरक्षण एवं जल स्त्रोतों की साफ-सफाई की जाएगी। पर्यावरण संरक्षण एवं प्लास्टिक अभियान के तहत गतिविधियां आयोजित होगी।

राज्यव्यापी अभियान के अंतर्गत महा रक्त दान, मेगा कैम्प एवं निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित की जाएगी। सामूहिक गतिविधियों के अंतर्गत महा अन्नदान अभियान व गरिमा किट का वितरण होगा।

देहदान, अंग दान करने वाले परिवारों को किया जाए सम्मानित

मुख्य सचिव ने कलेक्टरों से कहा है कि जिन परिवारों के मृत परिजनों द्वारा देह एवं अंग दान किया जाता है उन परिवारों को सम्मानित किया जाए। मुख्य सचिव ने कहा कि जिन लोगों को दान के अंगों का उपयोग किया गया है। उनके परिवारों को भी कार्यक्रम में शामिल किया जाए एवं उनसे उनकी त्वरित प्रतिक्रिया भी ली जाए। यह कार्यक्रम सिर्फ अभियान तक सीमित न रहे इसके लिए समय-समय पर लोगों के लिए ज्यादा से ज्यादा जागरूकता के कार्यक्रम आयोजित हो, जिससे लोग अंग दान करने सहर्ष तैयार हो एवं आगे आए।

सेवा मेरा योगदान के तहत विभिन्न गतिविधियां

23 से 25 सितंबर तक सभी जिलों के नगरीय निकाय क्षेत्रों में तथा 2 से 8 अक्टूबर तक प्रदेशभर में सेवा मेरा योगदान के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इनमें सेवा एवं स्वच्छता, अन्न एवं वस्त्र दान, विद्या दान एवं शिक्षा सहयोग, कौशल एवं ज्ञान दान, हरित छत्तीसगढ़ एवं पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य एवं रक्तदान, अंगदान एवं देहदान, सामाजिक सुरक्षा एवं जागरूकता तथा स्थानीय उत्पादन एवं महिला सशक्तिकरण जैसी गतिविधियां शामिल हैं। मुख्य सचिव ने कहा कि इन गतिविधियों में एनसीसी, एनएसएस, स्वयंसेवक, स्व-सहायता समूह, सामाजिक संस्थाओं, युवा संगठनों तथा 'मेरा युवा भारत' सहित विभिन्न सहयोगी संस्थाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए। सभी गतिविधियों को माय भारत पोर्टल पर फोटोग्राफ्स सहित अपलोड करने के निर्देश दिए गए।

कल मनाया जाएगा 11वां राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस

बीजापुर। जिले में 11वें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस का आयोजन 23 सितम्बर 2026, जिला आयुष कार्यालय एवं पॉलीक्लिनिक, तुमनार रोड, कोकड़ापारा, बीजापुर में किया जाएगा। इस अवसर पर नि:शुल्क आयुर्वेद एवं होम्योपैथी चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर में विभिन्न बीमारियों की जांच एवं उपचार की सुविधा उपलब्ध रहेगी। शिविर में कास-प्रतिश्याय, ज्वर, विषम ज्वर, बाल रोग, मधुमेह, वात रोग, संधिवात, उदर रोग एवं अन्य जीर्ण रोगों का उपचार किया जाएगा। इसके साथ ही उच्च रक्तचाप, मधुमेह एवं मलेरिया सहित आवश्यक स्वास्थ्य जांच भी की जाएगी। राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के अवसर पर आयुर्वेद संगोष्ठी का भी आयोजन किया जाएगा।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

शादी का झांसा देकर नाबालिग से अनाचार, आरोपी राजिम से गिरफ्तार

जांजगीर-चांपा। शादी का झांसा देकर नाबालिग से कथित अनाचार के मामले में पामगढ़ पुलिस ने 22 वर्षीय आरोपी सत्यम दिनकर, निवासी मेऊ को राजिम से गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार पीड़िता की रिपोर्ट पर थाना पामगढ़ में अपराध क्रमांक 397/2026 के तहत धारा 64, 64(2)(एम), 65(1), 69 बीएनएस एवं 4, 6 पॉक्सो एक्ट में मामला दर्ज किया गया था। विवेचना के दौरान आरोपी द्वारा शादी का झांसा देकर लगातार अनाचार किए जाने की बात सामने आने पर पुलिस ने साइबर तकनीकी सहायता से उसकी लोकेशन ट्रेस की और राजिम से पकड़ लिया। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। कार्रवाई पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय के निर्देशन, एएसपी डॉ. यूलैण्डन यार्क, एसडीओपी शिवरीनारायण तोमेश वर्मा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी राकेश सूर्यवंशी व पामगढ़ पुलिस टीम ने की।

एसबीआई कियोस्क संचालक गिरफ्तार, 1 करोड़ से ज्यादा की धोखाधड़ी का आरोप

धमतरी। भखारा पुलिस ने SBI कियोस्क के जरिए खाताधारकों से वित्तीय धोखाधड़ी और करीब 1 करोड़ रुपये के गबन के मामले में कियोस्क संचालक को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी पर वर्ष 2015 से 2025 के बीच कुल 1,00,75,717 की राशि में अनियमितता और गबन का आरोप है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान केशव राम साहू (40), निवासी देवकोट, जिला बालोद, हाल निवासी बोरिया खुर्द, रायपुर के रूप में हुई है। आरोपी ग्राम कोरा में एसबीआई के अनुबंध पर संचालित कियोस्क का संचालन करता था। कियोस्क संचालन की जिम्मेदारी उसे एनआईसीटी टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड की ओर से दी गई थी। पुलिस के अनुसार, संस्था के डिस्ट्रिक्ट मैनेजर की शिकायत पर जांच शुरू की गई। जांच में 27 अगस्त 2015 से 29 नवंबर 2025 के बीच खाताधारकों के साथ कथित वित्तीय अनियमितता सामने आई। मामले में बीएनएस की धारा 318(4), 338 और 336(3) के तहत अपराध दर्ज किया गया। पूछताछ के बाद पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर ग्राम कोरा स्थित कियोस्क से Lenovo लैपटॉप और 29 हितग्राहियों के एफडी बॉन्ड पेपर जब्त किए हैं।

तीज मनाकर ससुराल लौटी पत्नी की गला घोंटकर कर दी हत्या, आरोपी पति हुआ गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में पति ने कैरेक्टर पर शक के चलते पत्नी की गला दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद आरोपी उसे बीमार बताकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र धमधा ले गया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

महिला तीज मनाकर मायके से ससुराल लौटी थी। उसके गले और शरीर पर चोट के निशान देखकर परिजनों ने हत्या की आशंका जताई। पोस्टमॉर्टम की शुरुआती रिपोर्ट में मौत सामान्य नहीं, बल्कि हत्या से होने की बात सामने आई। पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है। मामला धमधा थाना क्षेत्र के अगर गांव का है।

जानकारी के अनुसार, अन्नू खांडे (24) जामुल थाना क्षेत्र के टेकापार गांव की रहने वाली थी। उसकी शादी त्रिलोक खांडे (26) से वर्ष 2019 में हुई थी। दोनों की करीब 5 साल की एक बेटी भी है। अन्नू और त्रिलोक के बीच पिछले करीब 5 साल से लगातार विवाद चल रहा था। आरोपी अपनी पत्नी के कैरेक्टर पर भी शक करता था। विवाद इतना बढ़ गया था कि करीब 6 महीने पहले अन्नू ने पति के खिलाफ जामुल थाने में एफआईआर भी दर्ज कराई थी। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच समझौता हुआ। राजीनामा और शपथ पत्र के बाद दोनों के बीच मामला शांत हुआ और अन्नू वापस अपने ससुराल चली गई थी। वहीं अन्नू कुछ दिन पहले ही मायके में तीज मनाने गई थी। तीज के बाद जब वह अपने ससुराल लौटी तो 19 सितंबर की रात करीब 11 से 11:30 बजे के बीच पति-पत्नी के बीच फिर विवाद हुआ। विवाद के दौरान त्रिलोक ने खाट पर बैठी अन्नू खांडे के सिर पर हाथ-मुक्के से लगातार मारपीट की। इसके बाद उसका गला दबा दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। इसके बाद हत्या की वारदात को छिपाने के लिए आरोपी पत्नी को बीमारी का बहाना बनाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र धमधा ले गया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल से महिला की मौत की सूचना मिलने पर धमधा पुलिस मौके पर पहुंची। इसलिए पुलिस ने मामले की जानकारी एसडीएम को दी। नायब तहसीलदार की मौजूदगी में शव का पंचनामा किया गया। इस दौरान महिला के सिर पर चोट के निशान मिले। इसके बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया।

शौक पूरे करने चेन स्नेचिंग करने लगे इंजीनियरिंग स्टूडेंट्स, दोनों पकड़ाए

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई में इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहे युवक-युवती पढ़ाई के साथ चेन स्नेचिंग और झपटमारी कर रहे थे। दोनों अपने शौक पूरे करने और पढ़ाई का खर्च निकालने के लिए सुबह स्कूटी से इलाके में घूमते थे। इस दौरान पैदल टहलने वाली महिलाओं को निशाना बनाते थे। स्कूटी पर पीछे बैठा युवक अचानक महिला के गले से चेन खींच लेता था। इसके बाद दोनों तेजी से स्कूटी से भाग जाते थे। पहचान छिपाने के लिए दोनों हेलमेट पहनने के साथ चेहरे पर कपड़ा बांधकर वारदात करते थे।

सुपेला पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और दूसरे सबूतों के आधार पर दोनों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, पूछताछ में दोनों ने 31 जुलाई और 20 सितंबर को चेन झपटमारी की दो वारदातों में शामिल होना कबूल किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से सोने की चेन का बचा हुआ हिस्सा और वारदात में इस्तेमाल स्कूटी बरामद की है। दोनों को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

पहली वारदात 31 जुलाई की सुबह हुई थी। करीब 6:32 बजे गीता देवी (62) घर के सामने टहल रही थीं। इसी दौरान स्कूटी सवार दोनों युवक-युवती वहां पहुंचे। स्कूटी के पीछे बैठे युवक ने उनके गले से सोने की चेन झपटी और दोनों वहां से भाग गए। घटना के बाद सुपेला पुलिस ने आसपास लगे कैमरों की रिकॉर्डिंग खंगालनी शुरू की।

इसके बाद 20 सितंबर को नेहरू नगर ईस्ट की विद्या विहार कॉलोनी में गीता देवी के साथ फिर चेन झपटमारी हुई। एक ही महिला को दोबारा निशाना बनाए जाने के बाद पुलिस ने दोनों घटनाओं को जोड़कर जांच शुरू की। सीसीटीवी फुटेज में आरोपियों और उनकी स्कूटी के बारे में पुलिस को सुराग मिला। जांच के दौरान पुलिस ने विक्की नायक को पकड़ा। पूछताछ में उसने अपने साथी तरूणा सिन्हा के साथ दोनों वारदातों में शामिल होना बताया। पुलिस के मुताबिक, 31 जुलाई की घटना में सीजी-07-एनएन-6415 नंबर की स्कूटी का इस्तेमाल हुआ था। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर चेन का हिस्सा और स्कूटी बरामद की। दोनों आरोपी भिलाई में इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने आए हैं। आरोपी विक्की नायक (23) मध्यप्रदेश के बालाघाट का रहने वाला है और फिलहाल तितुरडीह, दुर्ग में रह रहा है। वहीं तरुणा सिन्हा (20) राजनांदगांव की रहने वाली है और तितुरडीह, दुर्ग में रहकर पढ़ाई कर रही है।

पुलिस के मुताबिक, दोनों आरोपी दोस्त हैं। अपने शौक पूरे करने के लिए दोनों चोरी और चेन झपटमारी करने लगे थे। वे सुबह स्कूटी से उन इलाकों में जाते थे, जहां महिलाएं टहलने निकलती हैं। अकेली बुजुर्ग महिला दिखते ही दोनों उसे निशाना बनाते थे। युवती स्कूटी चलाती थी और पीछे बैठा युवक मौका मिलते ही महिला के गले से चेन खींच लेता था। इसके बाद दोनों स्कूटी से तेजी से भाग जाते थे। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

फर्जी दस्तावेजों के जरिए सीआईएसएफ में नौकरी हासिल करने वाला आरोपी राजस्थान से गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

दंतेवाड़ा। पुलिस अधीक्षक दंतेवाड़ा चंद्र मोहन सिंह (भा.पु.से.) के निर्देशन में तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जितेंद्र खूंटे (रा.पु.से.) एवं एसडीओपी दंतेवाड़ा आकांक्षा ठाकुर (रा.पु.से.) के मार्गदर्शन में थाना सिटी कोतवाली दंतेवाड़ा पुलिस द्वारा फर्जी दस्तावेजों से संबंधित प्रकरण में कार्रवाई की गई।

विवेचना के दौरान सामने आया कि उत्तर प्रदेश के रायबरेली निवासी सत्यम दीक्षित द्वारा कथित रूप से फर्जी दस्तावेजों के आधार पर दंतेवाड़ा जिले का निवास एवं आय प्रमाण पत्र प्राप्त कर उन्हें सीआईएसएफ भर्ती प्रक्रिया में उपयोग किया गया। इन दस्तावेजों के आधार पर आरोपी ष्टढ्ढस्स्न में भर्ती होकर देवली, राजस्थान में नौकरी कर रहा था। राजस्व अधिकारियों एवं तहसील कार्यालय से प्रमाण पत्रों का सत्यापन कराने पर उनके लिए प्रस्तुत दस्तावेजों की सत्यता संदिग्ध/फर्जी पाए जाने संबंधी महत्वपूर्ण तथ्य सामने आए। इसके बाद पुलिस द्वारा आरोपी की तलाश की गई।

आरोपी के राजस्थान में होने की जानकारी मिलने पर पुलिस टीम ने देवली, राजस्थान से सत्यम दीक्षित को गिरफ्तार किया। आरोपी को विधिसम्मत प्रक्रिया के तहत न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। प्रकरण में फर्जी दस्तावेज तैयार कराने एवं प्रमाण पत्र प्राप्त करने में अन्य व्यक्तियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। संलिप्तता पाए जाने पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध भी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। दंतेवाड़ा पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि सरकारी नौकरी अथवा किसी शासकीय लाभ के लिए फर्जी दस्तावेजों का उपयोग न करें। ऐसे मामलों में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध विधि अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

कोल व्यवसायी से 2.08 करोड़ की कथित ठगी का मामला, स्टील कारोबारी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर में कोल व्यवसायी से करीब 2.08 करोड़ रुपए की कथित ठगी के मामले में कोतवाली पुलिस ने स्टील कारोबारी सुजीत जायसवाल को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, दोनों कारोबारियों के बीच कारोबार के लिए दिए गए पैसों की वापसी को लेकर विवाद हुआ था। पुलिस के अनुसार, जय हनुमान कोलडिपो, मारुति मिनरल्स और जय हनुमान रोड लाइंस के संचालक राहुल गोयल ने शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि सुजीत जायसवाल ने कारोबार में आर्थिक जरूरत बताकर वर्ष 2021 से 2022 के बीच अलग-अलग फर्मों के जरिए कुल 4.80 करोड़ रुपए से अधिक लिए थे। इसमें से करीब 2.72 करोड़ रुपए लौटाए गए, जबकि लगभग 2.08 करोड़ रुपए बकाया रह गए। बकाया राशि के बदले आरोपी ने उत्तर प्रदेश के दुद्धी क्षेत्र में जमीन खरीदकर उसकी रजिस्ट्री राहुल गोयल के नाम कराने और वहां धर्मकांटा लगाने का भरोसा दिया था। आरोप है कि जमीन और इंफ्रास्ट्रक्चर पर करीब 26 लाख रुपए तथा धर्मकांटा खरीदने में करीब 5.48 लाख रुपए खर्च किए गए।

कार्यालय, नगर पालिक निगम, भिलाई
(संपत्तिकर विभाग)

क्रमांक/चार/तीन/सं.क.वि./2026/333/220 — भिलाई, दिनांक 17/09/2026

//स्वामित्व के हस्तांतरण की सूचना//

इस ईश्तहार द्वारा हित रखने वाले हितग्राही को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 में स्वत्वाधिकार के अंतरण के संबंध में निम्नलिखित हस्तांतरिती के नाम से जिसका कि नगर पालिक निगम भिलाई के संपत्तिकर अभिलेख में हस्तांतरणकर्ता के स्थान पर नाम दर्ज किया जाना है यदि किसी को इस संबंध मे कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन तिथि से 15 दिनों के भीतर अधोहस्ताक्षरकार्ता के समक्ष आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है बाद मे प्रस्तुत आपत्ति पर विचार नही किया जावेगा:–

क्र.	हस्तांतरणकर्ता का नाम	हस्तांतरिती का नाम	हस्तांतरण का स्वरूप	संपत्ति की स्थिति
1.	श्री विजय कुमार, पिता – स्व. होरी लाल देवांगन, निवासी – आर्य नगर, वीरूबाड़ी के सामने वार्ड नं.– 07, सिरसा रोड कोहका भिलाई, तह. व जिला – दुर्ग(छ.ग.)	शबनम बानो, पति – रफीक खान, निवासी – मकान नं.– 122, वार्ड नं.– 04, कृष्णा नगर, निजामी चौक सुपेला भिलाई, तह. व जिला – दुर्ग(छ.ग.)	बिक्रीनामा	कोहका, फरीद नगर कोहका वार्ड – 07, फरीद नगर अंदर भाग भिलाई, खसरा नं.– 7376, प्लाट नं.– 01 का भाग, रकबा – 1890 वर्गफीट, आवासीय भवन निर्मित।
2.	1. श्रीमती शकुन्तला दहाटे, पति– स्व. श्री बन्जी राव दहाटे, निवासी – म.नं.– 430, जीरो रोड, शांति नगर, कोहका भिलाई, तह. व जिला – दुर्ग(छ.ग.) के तरफ आम मुख्तयार – मो. वकील अहमद, पिता – मो. नवाब अहमद, निवासी – 5/1, इस्पात नगर रिसाली तह. व जिला – दुर्ग(छ.ग.) 2. मोहम्मद रशीद, पिता – स्व. जाहिद हुसैन, निवासी – क्वा.–2/एफ, सड़क –39, सेक्टर – 05, भिलाई, तह. व जिला – दुर्ग(छ.ग.)	श्रीमती रहीसा बेगम, पति – श्री मोहम्मद भूसा, निवासी – म.नं.–338 ई, डी.पी.एस. के सामने, रिसाली सेक्टर – भिलाई, तह. व जिला – दुर्ग(छ.ग.)	बिक्रीनामा	कोहका, "शकुन्तला अपार्टमेन्ट्स" शांति नगर वार्ड नं.– 11, श्वेतांबर जैन मंदिर से यूनिक अपार्टमेंट होते हुये जीरो रोड रेम्बो बार तक अंदर भाग, युनिट – 05, प्रकोष्ठ – 401 चतुर्थ तल, क्षेत्रफल – 1098 वर्गफीट, आवासीय फ्लैट निर्मित।
3.	1. श्रीमती शकुन्तला दहाटे, पति– स्व. श्री बन्जी राव दहाटे, निवासी – म.नं.– 430, जीरो रोड, शांति नगर, कोहका भिलाई, तह. व जिला – दुर्ग(छ.ग.) के तरफ आम मुख्तयार – मो. वकील अहमद, पिता – मो. नवाब अहमद, निवासी – 5/1, इस्पात नगर रिसाली तह. व जिला – दुर्ग(छ.ग.) 2. मोहम्मद रशीद, पिता – स्व. जाहिद हुसैन, निवासी – क्वा.–2/एफ, सड़क –39, सेक्टर – 05, भिलाई, तह. व जिला – दुर्ग(छ.ग.)	सायरा बानो, पिता – श्री मोहम्मद कलाम, निवासी – क्वा.नं.–38 सी, सड़क–ऐवेन्यु–सी, सेक्टर –01, भिलाई, तह. व जिला – दुर्ग(छ.ग.)	बिक्रीनामा	कोहका, "शकुन्तला अपार्टमेन्ट्स" शांति नगर वार्ड नं.– 11, श्वेतांबर जैन मंदिर से यूनिक अपार्टमेंट होते हुये जीरो रोड रेम्बो बार तक अंदर भाग, युनिट – 02, प्रकोष्ठ – 302 तृतीय तल, क्षेत्रफल – 1098 वर्गफीट, आवासीय फ्लैट निर्मित।
4.	डॉ. सैय्यद अफताब रिजवी आ. ए.एस. रिजवी, निवासी – ब्लाक नं.– 34, प्लाट नं.– 03, नेहरू नगर पश्चिम भिलाई, तह. व जिला – दुर्ग(छ.ग.)	1. नायला रिजवी, 2. मारिया रिजवी, 3. नाजिया रिजवी, तीनो पिता स्व. डॉ. एस.ए. रिजवी, निवासी – ब्लाक नं.– 34, प्लाट नं.– 03, नेहरू नगर पश्चिम भिलाई, तह. व जिला – दुर्ग(छ.ग.)	वसीयतनामा	वार्ड नं.–4, मोतीलाल नेहरू नगर पश्चिम आवासीय योजना भिलाई, ब्लाक नं.– 34, प्लाट नं.– 03, आकार – 340.80 वर्गमीटर, आवासीय भवन निर्मित।
5.	श्री गिरीश शर्मा, पिता – जे पी शर्मा (जगदीश प्रसाद शर्मा), निवासी – 20/7, राधिका नगर, सुपेला भिलाई, तह. व जिला – दुर्ग(छ.ग.)	श्री अजीत शर्मा, पिता – श्री रमेश चन्द्र, निवासी – म.नं.– 5–1, कृष्णा नगर, सुपेला, भिलाई, तह. व जिला – दुर्ग (छ.ग.)	बिक्रीनामा	कृष्णा नगर वार्ड नं.– 08 के अंतर्गत कृष्णा नगर आवासीय योजना भिलाई, भूखंड क्रमांक – 01, ब्लाक – 05, क्षेत्रफल – 60 वर्गमीटर, आवासीय भवन निर्मित।
6.	पूरनचंद गोयल पिता स्व. के. पी गोयल, निवासी – 851, सडक नं.– 13, शांति नगर, दशहरा मैदान के पास, सुपेला भिलाई, तह. व जिला – दुर्ग(छ.ग.)	श्रीमती शिंवागी पारधी पति श्री सूरज पारधी, निवासी – 1533, 34 शांति नगर सुपेला, जिला – दुर्ग(छ.ग.)	बिक्रीनामा	कोहका, वार्ड नं.– 14, शांति नगर कोहका (अंदर भाग) भिलाई, प्लाट नं.– 144, खसरा नं.– 6165/3, रकबा – 1470 वर्गफीट, आवासीय भवन निर्मित।
7.	श्रीमती कहकशा परवीन अंसारी पति श्री शहादत हुसैन अंसारी, निवासी – वार्ड नं.– 09, नियर अमर फैब्रिकैसन कृपाल नगर, सुपेला भिलाई, तह. व जिला – दुर्ग(छ.ग.)	श्रीमती हिना परवीन पति श्री नफीस अहमद, निवासी – 460, वार्ड नं.–8, निजामी चौक, फरीद नगर सुपेला भिलाई, तह. व जिला – दुर्ग(छ.ग.)	बिक्रीनामा	कोहका, वार्ड नं.– 12, रानी अवंती बाई कोहका वार्ड, (बजरंग नगर अंदर भाग), खसरा नं.– 3162/8, प्लाट नं.– 53/2, रकबा – 1000 वर्गफीट, आवासीय भवन निर्मित।
8.	श्री श्याम कंस्ट्रक्शन, द्वारा पार्टनर– प्रतीक अग्रवाल पिता श्री सुरेश कुमार अग्रवाल, निवासी– मकान नं.– 12/23, श्यामकुंज, दीपक नगर, दुर्ग, तह. व जिला– दुर्ग(छ.ग.)	केतन शाह (H.U.F.) कर्ता– केतन शाह पिता आशोक चंद जैन, निवासी – अरिहंत हास्पिटल दुबे कॉलोनी, मोवा सड्डू बिन्द्रावनगढ़, रायपुर, तह. व जिला – रायपुर(छ.ग.)	बिक्रीनामा	जुनवानी, ("श्री श्याम बिजनेस पार्क") (वार्ड नं.– 01), अंदर भाग जुनवानी चौक से चिखली नाला धमधा रोड की ओर भिलाई, खसरा नं.–15008 1, शॉप क्रं.– S 18, क्षेत्रफल– भूतल–35.95 वर्गमीटर एवं प्रथम तल– 42.06 वर्गमीटर, भवन निर्मित।

अपर आयुक्त
नगर पालिक निगम
भिलाई

शराब के लिए कारोबारी को लूटा: मारपीट कर 5 हजार कैश, मोबाइल-बाइक ले गए; दोनों आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। रायगढ़ जिले के कोतवाली थाना इलाके में शराब के लिए पैसे मांगने के बाद दो भाइयों ने सब्जी व्यवसायी से मारपीट कर लूट की। आरोपियों ने व्यवसायी की जेब से 5 हजार रुपए, मोबाइल और बाइक छीन ली और फरार हो गए। पुलिस ने ष्टष्टञ्जङ्क फुटेज और पूछताछ के आधार पर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। लूटी गई बाइक भी बरामद कर ली गई है। घटना शनिवार दोपहर बड़पारा शराब भट्ठी के पास की है। ग्राम गोतमा निवासी गजानन प्रधान (32) सब्जी बिक्री का काम करता है। वह सब्जी बिक्री की रकम जमा करने हटरी चौक जा रहा था। इसी दौरान शराब लेने के लिए बड़पारा भट्ठी पहुंचा, जहां दो युवकों ने उससे शराब पीने के लिए 100 रुपए मांगे।

गजानन ने दोनों को 100 रुपए दे दिए। इसके बाद आरोपियों ने उससे शराब मांगकर पी। शराब पीने के बाद दोनों ने गाली-गलौज करते हुए गजानन के साथ हाथ-मुक्के से मारपीट शुरू कर दी। आरोपियों ने उसकी शर्ट की ऊपरी जेब में रखे 5 हजार रुपए निकाल लिए और बाइक की चाबी भी छीन ली। पुलिस में शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी और उसकी बाइक लेकर मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने आसपास लगे ष्टष्टञ्जङ्क कैमरों के फुटेज खंगाले। साथ ही पीड़ित और अन्य गवाहों से आरोपियों के हुलिए और घटना की जानकारी जुटाई गई। जांच के आधार पर आरोपियों की पहचान संजय शर्मा उर्फ सोनू (30) और गणेश शर्मा (25), निवासी सोनुमुड़ा देवारपारा के रूप में हुई। पुलिस ने दोनों के घर दबिश देकर उन्हें हिरासत में लिया।

पुलिस ने कार्यपालिक मजिस्ट्रेट के सामने पहचान कार्रवाई कराई, जिसमें गजानन ने दोनों आरोपियों की पहचान की। पूछताछ में दोनों ने घटना में शामिल होना स्वीकार किया। आरोपियों ने लूटी गई रकम खाने-पीने में खर्च करने की बात बताई। पुलिस ने आरोपी संजय शर्मा के पास से लूटी गई बाइक बरामद कर जब्त कर ली। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर सोमवार को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। SSP शशि मोहन सिंह ने बताया कि लूट, मारपीट और अन्य गंभीर अपराधों में पुलिस तत्काल आरोपियों की पहचान, गिरफ्तारी और लूटी गई संपत्ति की बरामदगी सुनिश्चित कर रही है। दोनों आरोपियों को जेल भेज दिया गया है।

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग
कार्यालय मुख्य अभियंता
महानदी गोदावरी कछार, रायपुर (छ.ग.)

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

eProcurement Portal : https://eproc.cgstate.gov.in

(प्रथम आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्रमांक 199505/निविदा सूचना क्रमांक 06/वलेलि/2026-27, बेमेतरा, दिनांक 18.09.2026

निम्नलिखित कार्यों के लिए दिनांक 09.10.2026 समय 17:30 तक ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है :-

कार्य का नाम : बेमेतरा जिले के धनेली जलाशय के शीर्ष कार्य बण्डपार पर मुरमीकरण का जीर्णोद्धार, मुख्य नहर का रिमाडलिंग एवं सी.सी. लाईनिंग कार्य आर.डी. 0 मी. से 30 मी. तक तथा आर.डी. 15 मी. पर 01 नग डी.सी., आर.डी. 30 मी. पर 01 नग व्ही.आर.बी. का निर्माण, 30 मी. लम्बाई के वेस्ट वियर का पुर्ननिर्माण, 08 नग स्नान घाट का निर्माण तथा सी.सी. ब्लॉक पिचिंग कार्य.

अनुमानित लागत : रुपये 388.02 लाख

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 25.09.2026 समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड किये जा सकते है.

नोट: निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाइट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित/ पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है.

जी-262703393/10

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग, बेमेतरा
कृते, मुख्य अभियंता, महानदी गोदावरी कछार
जल संसाधन विभाग, रायपुर (छ.ग.)

सेवा संकल्प अभियान

अनकही कहानियां : मोदी की 25 साल की सेवा यात्रा का मंचन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायगढ़। सेवा संकल्प अभियान के तहत संत पूज्य श्री प्रियदर्शी राम जी ऑडिटोरियम पंजरी प्लांट रायगढ़ में 'नमो सेवा-अनकही कहानियां' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। डिग्री कॉलेज रायगढ़ के छात्र-छात्राओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों की यात्रा और देश के प्रति उनके योगदान पर आधारित जीवंत नाट्य प्रस्तुति दी। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने दर्शक दीर्घा में बैठकर पूरी प्रस्तुति देखी और विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया।

नाट्य मंचन में सेवा, समर्पण और सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश दिया गया। विद्यार्थियों ने अभिनय के माध्यम से विभिन्न परिस्थितियों और चुनौतियों के बीच लिए गए निर्णयों तथा देश के विकास से जुड़े विषयों को मंच पर प्रस्तुत किया। प्रस्तुति की अतिथियों और दर्शकों ने सराहना की।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक आयोजित किया जा रहा है। अभियान के माध्यम से सेवा और जनभागीदारी से जुड़े विभिन्न कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि अभियान में 12 संकल्प और 25 सेवा कार्यों को शामिल किया गया है। इन गतिविधियों का उद्देश्य समाज के विभिन्न वर्गों तक जनकल्याणकारी योजनाओं और सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के साथ लोगों को सेवा कार्यों से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में प्रत्येक नागरिक की भागीदारी महत्वपूर्ण है। उन्होंने विद्यार्थियों की प्रस्तुति की सराहना करते हुए कहा कि युवाओं की ऊर्जा और रचनात्मकता समाज में सेवा और जिम्मेदारी की भावना को मजबूत कर सकती है।

साव ने कहा कि नाटकों में देशहित से जुड़े निर्णयों और विकास के प्रयासों को मंच पर दिखाया गया। कोरोना महामारी के कठिन दौर सहित विभिन्न परिस्थितियों का भी उल्लेख किया गया। विकसित भारत के लक्ष्य की दिशा में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है और सेवा संकल्प अभियान जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को सामाजिक जिम्मेदारी से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। कार्यक्रम में डिग्री कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने 'सेवा ही संकल्प' विषय को केंद्र में रखते हुए प्रस्तुति दी। मंचन में सेवा भावना, सामाजिक दायित्व और राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका को प्रस्तुत किया गया।

इस अवसर पर सांसद राधेश्याम राठिया, राज्यसभा सदस्य देवेन्द्र प्रताप सिंह, महापौर जीवर्धन चौहान, जिला पंचायत अध्यक्ष शिखा रवींद्र गबेल, सभापति डिग्री लाल साहू, अरूणधर दीवान, गुरुपाल भल्ला, सुभाष पाण्डेय, श्रीकांत सोमावार, पवन अग्रवाल, कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशिमोहन सिंह उपस्थित थे।

सेवा संकल्प : नुक्कड़ नाटक से दिया जागरूकता एवं राष्ट्र निर्माण का संदेश

पेंड्रा। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत पेंड्रा में मल्टीपर्पस स्कूल के सामने विद्यार्थियों द्वारा नुक्कड़ नाटक एवं रंगोली का आयोजन किया गया। डाइट के बालक-बालिकाओं ने प्रभावी अभिनय, संवाद और रचनात्मक प्रस्तुतियों के माध्यम से सेवा भाव, सामाजिक जिम्मेदारी, स्वच्छता, शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण और राष्ट्र निर्माण से जुड़े महत्वपूर्ण संदेश आमजन तक पहुंचाए।

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से विद्यार्थियों ने स्वास्थ्य, स्वच्छता, शिक्षा और पर्यावरण संरक्षण जैसे विषयों को सहज एवं प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों ने स्वच्छ गांव और स्वस्थ समाज की अवधारणा को सामने रखते हुए नागरिकों से स्वच्छता अपनाने, पानी और बिजली की बचत करने तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति सजग रहने का आह्वान किया।

प्रस्तुति में युवाओं की भूमिका पर भी विशेष जोर दिया गया। विद्यार्थियों ने आत्मनिर्भरता, स्वरोजगार और मेहनत एवं लगन के साथ आगे बढ़ने का संदेश देते हुए युवाओं से समाज और राष्ट्र की प्रगति में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि युवा केवल अपने भविष्य के निर्माण तक सीमित न रहकर सामाजिक बदलाव और राष्ट्र निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

नुक्कड़ नाटक के दौरान एकता, भाईचारे और सामाजिक जिम्मेदारी के महत्व को भी रेखांकित किया गया। विद्यार्थियों ने यह संदेश भी दिया कि समाज में सकारात्मक बदलाव केवल किसी एक व्यक्ति के प्रयास से नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सक्रिय सहभागिता से संभव है।

कार्यक्रम में रंगोली भी आकर्षण का प्रमुख केंद्र रही। विद्यार्थियों ने रंगों और कलात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक सरोकारों और राष्ट्र निर्माण से जुड़े संदेशों को आकर्षक रूप में प्रस्तुत किया।

सेवा संकल्प अभियान के तहत अरपा उद्गम पर स्वच्छता-जल संरक्षण का संदेश

पेण्ड्रा। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आज जल संसाधन विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग एवं नगरीय प्रशासन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में नगर पालिका परिषद पेण्ड्रा में अरपा उद्गम स्थल के समीप नदी घाट स्वच्छता अभियान एवं नगरीय जल स्रोत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अरपा नदी छत्तीसगढ़ की महत्वपूर्ण नदियों में शामिल है और इसका उद्गम क्षेत्र गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले की प्राकृतिक एवं पर्यावरणीय पहचान से जुड़ा हुआ है।

कार्यक्रम में मरवाही विधानसभा क्षेत्र के विधायक प्रणव कुमार मरपची, जिला पंचायत अध्यक्ष समीरा पैंकरा, जिला पंचायत उपाध्यक्ष राजा उपेन्द्र बहादुर, नगर पालिका परिषद पेण्ड्रा के उपाध्यक्ष शरद गुप्ता, लालजी यादव, राकेश चतुर्वेदी सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में जल संरक्षण के साथ जल संवर्धन की आवश्यकता पर भी चर्चा की गई। वर्षा जल के संरक्षण, जल के विवेकपूर्ण उपयोग और पारंपरिक जल स्रोतों के संरक्षण को लेकर नागरिकों को जागरूक किया गया। उपस्थित लोगों को दैनिक जीवन में पानी की बचत करने तथा उपलब्ध जल संसाधनों का जिम्मेदारी के साथ उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया। सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण को जनभागीदारी से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

अरपा नदी क्षेत्र की प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक पहचान से जुड़ी हुई है। इसके उद्गम क्षेत्र की स्वच्छता और संरक्षण का महत्व और भी बढ़ जाता है। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों की सहभागिता से स्थानीय नागरिकों को जल स्रोतों के संरक्षण के लिए आगे आने का संदेश मिला।

कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को स्वच्छता को अपनी दैनिक आदतों में शामिल करने, नदी एवं अन्य जल स्रोतों को प्रदूषण से बचाने तथा जल संरक्षण के प्रयासों में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया गया। आयोजन ने सेवा, स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण की भावना को मजबूत करते हुए सामूहिक जिम्मेदारी का संदेश दिया।

विद्यार्थियों ने रंगों और शब्दों से रची विकसित भारत की तस्वीर

श्रीकंचनपथ समाचार

जांजगीर-चांपा। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 'मेरे सपनों का भारत' पहल ने विद्यार्थियों की रचनात्मकता और राष्ट्र निर्माण की सोच को अभिव्यक्ति का मंच दिया। जांजगीर-चांपा जिले के सभी विद्यालयों में आयोजित चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए चित्रों और शब्दों के माध्यम से विकसित, सशक्त और आत्मनिर्भर भारत की अपनी परिकल्पना प्रस्तुत की।

चित्रकला प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने रंगों और रेखाओं के माध्यम से अपने सपनों के भारत की तस्वीर उकेरी। वहीं भाषण प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने विकसित भारत-2047, डिजिटल इंडिया, स्वच्छ भारत, नारी सशक्तिकरण, नशामुक्त भारत, शिक्षित भारत, डिजिटल साक्षरता, ई-गवर्नेंस, अंतरिक्ष और भारतीय संस्कृति जैसे विषयों पर अपने विचार व्यक्त किए। विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों में आधुनिक, आत्मनिर्भर और सशक्त भारत के साथ सामाजिक जागरूकता एवं जिम्मेदार नागरिक बनने की भावना भी दिखाई दी।

1,206 विद्यालयों में 1.29 लाख से अधिक विद्यार्थियों की सहभागिता

जिला शिक्षा अधिकारी के अनुसार जिले के 1,206 विद्यालयों में आयोजित प्रतियोगिताओं में प्राथमिक स्तर के 56,248, पूर्व माध्यमिक स्तर के 37,798 तथा हाई एवं हायर सेकेंडरी स्तर के 35,789 विद्यार्थियों ने सहभागिता की। इस प्रकार कुल 1,29,835 विद्यार्थियों ने चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिताओं के माध्यम से अपनी रचनात्मकता और विचारों को सामने रखा।

विद्यालय स्तर पर आयोजित इन प्रतियोगिताओं में पालकों, नागरिकों और जनप्रतिनिधियों ने भी सहभागिता की। इससे कार्यक्रम को व्यापक जनभागीदारी मिली और विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा एवं विचारों को साझा करने के लिए प्रोत्साहन मिला। 'मेरे सपनों का भारत' पहल ने विद्यार्थियों को केवल प्रतियोगिता का मंच ही नहीं दिया, बल्कि उन्हें यह सोचने और अभिव्यक्त करने का अवसर भी दिया कि वे आने वाले भारत को किस रूप में देखना चाहते हैं। चित्रों और भाषणों में उभरती उनकी कल्पनाओं ने विकसित भारत के प्रति नई पीढ़ी की सोच, आकांक्षाओं और राष्ट्र निर्माण में सहभागिता की भावना को सामने रखा।

11.69 लाख से विकसित हुआ 'बेहतर आंगनबाड़ी, बेहतर बचपन'

जांजगीर-चांपा। जनपद पंचायत नवागढ़ की ग्राम पंचायत सरखों स्थित आंगनबाड़ी केंद्र कभी जर्जर भवन और सीमित सुविधाओं के बीच संचालित होता था। यह केंद्र अब बच्चों के लिए सुरक्षित, स्वच्छ और आनंददायक वातावरण उपलब्ध करा रहा है। नई सुविधाओं के साथ यहां बच्चों के चेहरे पर खुशी, सीखने की ललक और अभिभावकों के मन में विश्वास दिखाई देता है।

आंगनबाड़ी केंद्र का विकास रोजगार गारंटी योजना, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा 15वें वित्त की राशि के अभिसरण से कुल 11 लाख 69 हजार रुपये की लागत से किया गया है। इसमें रोजगार गारंटी योजना से 8 लाख रुपये, महिला एवं बाल विकास विभाग से 2 लाख रुपये तथा 15वें वित्त से 1 लाख 69 हजार रुपये की राशि का अभिसरण किया गया। इससे आंगनबाड़ी भवन के साथ बच्चों के बैठने, सीखने और खेलने के लिए आवश्यक आधारभूत सुविधाओं का विकास संभव हुआ। नवीन सुविधाओं से सुसज्जित आंगनबाड़ी में अब बच्चों को प्रारंभिक शिक्षा के साथ खेल आधारित गतिविधियों और नियमित पोषण आहार की सुविधा मिल रही है। स्वास्थ्य एवं स्वच्छता से जुड़ी जरूरी जानकारी भी बच्चों को दी जा रही है। इससे बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य और सीखने के अनुभव को बेहतर बनाने में मदद मिल रही है।

आंगनबाड़ी परिसर को स्वच्छ, सुंदर और पर्यावरण-अनुकूल बनाने के लिए पौधरोपण भी किया गया है। बच्चे इन पौधों की देखभाल में उत्साहपूर्वक भाग लेते हैं। केंद्र अब बच्चों के सीखने, खेलने और प्रकृति से जुड़ने का आनंददायक केंद्र बन गया है। माही बरेठ की माता श्रीमती राजेश्वरी बताती हैं कि पहले और अब की आंगनबाड़ी में काफी अंतर है। पहले भवन की स्थिति खराब होने के कारण बच्चों को भेजते समय चिंता रहती थी। अब नई सुविधाओं से युक्त भवन बनने से बच्चों को यहां आना अच्छा लगता है।

सेवा की कहानी : सूरज की ऊर्जा से रोशन हुआ बहरासी का विद्यालय परिसर

भरतपुर। जिले के दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में जिला प्रशासन द्वारा किए जा रहे प्रयासों का सकारात्मक असर अब शिक्षा संस्थानों में भी दिखाई देने लगा है। जिला खनिज संस्थान न्यास (डीएमएफ) मद से विकासखंड भरतपुर के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बहरासी में 5.38 लाख रुपये की लागत से सोलर हाईमास्ट संयंत्र स्थापित किया गया है। इस पहल से विद्यालय परिसर रात के समय भी प्रकाश से जगमगा रहा है और विद्यार्थियों तथा शिक्षकों को अंधेरे से निजात मिली है।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बहरासी जिला मुख्यालय से लगभग 90 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। सोलर हाईमास्ट संयंत्र स्थापित होने के बाद विद्यालय परिसर में पूरी रात निर्बाध रूप से प्रकाश उपलब्ध हो रहा है। संयंत्र से विद्यालय परिसर के साथ-साथ आसपास के लगभग 50 मीटर क्षेत्र में भी रोशनी पहुंच रही है। विद्यालय के अध्यापकों के अनुसार पहले रात के समय विद्यालय परिसर में अंधेरा रहने के कारण असुविधा होती थी। हाई मास्ट की स्थापना के बाद पूरा परिसर रोशन रहता है। इससे विद्यालय में सुरक्षा की भावना मजबूत हुई है तथा आसपास के क्षेत्र को भी प्रकाश का लाभ मिल रहा है।

जिस पानी के लिए मीलों चलती थीं महिलाएं, अब साय सरकार में वही जल पहुंच रहा घर की चौखट तक

पंडरी। कभी पानी के लिए सुबह की पहली किरण के साथ ही घर से निकलना पड़ता था। सिर पर बर्तन रखकर दूर स्थित जलस्रोत तक जाना, घंटों इंतजार करना और फिर पानी लेकर वापस लौटना रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा था। बच्चों भी इस कार्य में हाथ बंटाते थे। आज उसी ग्राम पंडरी की तस्वीर बदल गई है। घर के आंगन में लगा नल अब सिर्फ पानी आने का साधन नहीं, बल्कि बदलती ग्रामीण जिंदगी का प्रतीक बन गया है।

जल जीवन मिशन के अंतर्गत घर-घर नल कनेक्शन पहुंचने से ग्रामीण परिवारों को उनके घर पर ही स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध हो रहा है। पानी के लिए दूर जाने की मजबूरी कम हुई है और वर्षों से चली आ रही कठिनाई ने सुविधा का रूप ले लिया है।

आदिवासी बाहुल्य जिला गौरेला-पेंड्रा-मरवाही के मरवाही विकासखंड का ग्राम पंडरी आज इस बदलाव की जीवंत कहानी प्रस्तुत कर रहा है। गांव की श्रीमती शीला केवट सहित अनेक महिलाओं के लिए नल से आने वाला पानी रोजमर्रा की जिंदगी में आई ऐसी सुविधा है, जिसका महत्व वही समझ सकता है जिसने कभी पानी के लिए लंबी दूरी तय की हो। श्रीमती शीला बताती हैं कि कई बार पानी लाने में सुबह का काफी समय निकल जाता था। अब घर में ही नल से पानी मिलने के कारण बहुत सुविधा हो गई है। इस समय का उपयोग बच्चों, परिवार और दूसरे कामों में किया जा सकता है।

ग्राम पंडरी की यह कहानी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उस विजन से भी जुड़ती है, जिसमें ग्रामीण भारत के हर परिवार तक नल से जल पहुंचाने को प्राथमिकता दी गई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 15 अगस्त 2019 को जल जीवन मिशन की घोषणा करते हुए ग्रामीण परिवारों तक घरेलू नल कनेक्शन के माध्यम से सुरक्षित पेयजल पहुंचाने का संकल्प देश के सामने रखा था। उस समय देश के 18.93 करोड़ ग्रामीण परिवारों में लगभग 3.23 करोड़, यानी करीब 17 प्रतिशत परिवारों के पास ही नल से जल की सुविधा थी।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950